mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-218 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
7 अगस्त 2024
बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

ये लड़की देश के ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

पूजा खेडकर जैसा फर्जीवाड़ा रोकने यूपीएससी ने कसी कमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी अब एग्जाम लेने के तरीके में बड़े बदलाव करने की तैयारी में है। कैंडीडेट पर टेक्नोलॉजी के जरिए नजर रखी जाएगी। फिंगरप्रिंट, फेशियल रिकग्निशन और एआईसीसीटीवी सर्विलांस कैमरे से मॉनिटरिंग होगी।
यूपीएससी के किसी भी एग्जाम में शामिल होने

वाले कैंडीडेट की चेकिंग के लिए यही तरीका इस्तेमाल होगा। पुणे की पूजा खेडकर, 31 जुलाई तक ट्रेनी आईएएस थीं, अब नहीं हैं। आरोप है कि उन्होंने अपना और माता-पिता का नाम बदलकर तय सीमा से ज्यादा बार यूपीएससी का एग्जाम दिया। आरोप ये भी है कि उन्होंने विकलांगता कोटे का गलत इस्तेमाल कर आईएएस का पद हासिल किया।

फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा हिजाब पर प्रतिबंध का मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉलेज में हिजाब प्रतिबंध का मामला एक बार फिर से चर्चा में है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि उसने बंबई उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है, जिसमें मुंबई के एक कॉलेज के परिसर में

हिजाब, बुर्का और नकाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय को बरकरार रखा गया है। मंगलवार को जब याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया, तो सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस मामले के लिए एक पीठ नियुक्त कर दी है और इसे आने वाले दिनों में जल्द ही सूचीबद्ध किया जाएगा।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले में ईडी की नई चार्जशीट

पटना (एजेंसी)। रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले के मामले में ईडी ने पहली पूरक चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें आरोपी के तौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव का भी नाम शामिल है। तेजस्वी यादव बिहार के डिप्टी सीएम रह चुके हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के ऐंगल से ईडी इस मामले में जांच कर रही है। एजेंसी ने

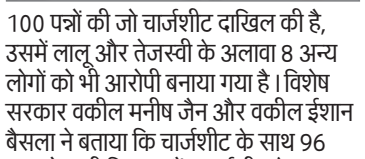

100 पन्नों की जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें लालू और तेजस्वी के अलावा 8 अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। विशेष सरकार वकील मनीष जैन और वकील ईशान बैसला ने बताया कि चार्जशीट के साथ 96 दस्तावेज भी दिए गए हैं। चार्जशीट के आधार पर अब बहस शुरू होगी, जिसके लिए स्पेशल जज विशाल गोगने ने तारीख तय की है।

बांग्लादेश में हालात बेकाबू

हिंदुओं पर हमला

घरों से निकालकर पीटा, इस्कान मंदिर को फूंका

हिंदू महिलाओं के साथ की जा रही है बर्बरता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हालात बेकाबू हो चुके हैं। हिंसा और आगजनी के बीच अब उपद्रवियों ने अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया। भीड़ चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बना रही है। घरों में आग लगाई जा रही है। दुकानों को लूटा जा रहा है। इस बीच बांग्लादेश के मेहरपुर इस्कॉन मंदिर की तस्वीरें सामने आई हैं। दंगाइयों ने तोड़फोड़ करने के बाद इस मंदिर को आग के हवाले कर दिया।

बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, 27 जिलों में हिंदुओं के घरों और दुकानों को निशाना बनाया गया है। कीमती सामान को लूटा गया है। मंदिरों पर भी हमले किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लालमोनिरहाट सदर उपजिले में धार्मिक हिंदू कार्यों से जुड़े पूजा समिति के सचिव प्रदीप चंद्र रॉय के घर में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई है। दंगाइयों ने नगरपालिका सदस्य मुहिन रॉय की कंप्यूटर दुकान में भी तोड़फोड़ करने के साथ लूटपाट की है।

कालीगंज उपजिला के चंद्रपुर गांव में 4 हिंदू परिवारों के घरों में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई है। हातिबंधा उपजिला के पुरबो सरदुबी गांव में 12 हिंदुओं के घरों में आग लगा दी गई है।

बांग्लादेश में संसद भंग, पूर्व पीएम खालिदा जिया रिहा

बांग्लादेश में हिंसा के बीच राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद को भंग कर दिया है। साथ ही देश की पूर्व पीएम खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया है। मंगलवार को बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने 3 बजे तक संसद भंग करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही अंतरिम सरकार के लिए नामों का प्रस्ताव देंगे। दूसरी तरफ भारत सरकार ने मंगलवार सुबह 10 बजे सर्वदलीय बैठक की। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, भारत आने के बाद से पीएम हसीना सदमे में हैं। सरकार बात करने से पहले उन्हें कुछ समय दे रही है। वे भविष्य को लेकर खुद फैसला लेंगी।

राजदूतों और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें वहां की एजेंसियां

- संसद में विदेश मंत्री एस जयशंकर बोले-हम ढाका प्रशासन के संपर्क में हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के ताजा हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को राज्यसभा में बयान दिया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। वहां के हालात पर भारत सरकार की नजर है।

जयशंकर ने आगे कहा कि बांग्लादेश में लोग सड़कों पर हैं। वहां हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यह चिंता की बात है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर भी हमला किया, जिसके बाद हालात बिगड़े। उन्होंने यह भी बताया कि इस्तीफे के बाद शेख हसीना ने भारत आने की इजाजत मांगी थी। इसके बाद भारत सरकार ने उनके आने की व्यवस्था की। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि भारत सरकार बंग्लादेश में अपने नागरिकों के संपर्क में है।

केंद्र से राहुल के 3 सवाल, विदेश मंत्री ने सभी के दिए जवाब - संसद भवन में हुई सर्वदलीय बैठक में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार से बांग्लादेश के संकट में विदेशी दखलंदाजी से जुड़े सवाल किए हैं। राहुल ने सरकार से मामले में भारत का स्टैंड पूछा है। इस पर सरकार ने बताया कि वह बांग्लादेश के हालात से जुड़े हर पहलू पर नजर बनाई हुई है। वह लगातार वहां की आर्मी के संपर्क में है। विदेश मंत्री जयशंकर ने सभी पार्टी के नेताओं से मामले में समर्थन की अपील की है। राहुल ने केंद्र सरकार से कुल 3 सवाल किए। उन्होंने दूसरा सवाल पूछा कि क्या भारत सरकार को बांग्लादेश में हो रही घटना की आशंका थी। इस पर विदेश मंत्री ने जवाब दिया कि भारत स्थिति पर नजर रख रहा है। फिर राहुल ने पूछा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के असर से निपटने के लिए शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म के लिए भारत सरकार की क्या रणनीति है।

यूपी के उपचुनाव में योगी ने खुद संभाली कमान

सीट के समीकरणों के हिसाब से तय होगी रणनीति

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कमर कस ली है। लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी के प्रदेश संगठन में खींचतान की खबरों के बाद पहली बार दोनों डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव मौर्य, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ एक मीटिंग में बैठे। मीटिंग के दौरान उपचुनाव को लेकर सभी की जिम्मेदारियां तय की गई। योगी आदित्यनाथ ने सभी 10 सीटों पर स्थानीय मुद्दों के हिसाब से रणनीति तैयार करने का मंत्र

कार्यकर्ताओं को दिया है। इसके साथ ही हर सीट पर अलग-अलग मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपचुनाव को लेकर हर सीट पर तीन से चार मंत्री तैनात होंगे, जिनका सहयोग करने के लिए पार्टी के दो पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। सीएम योगी ने बैठक में सभी 10 सीटों पर जातीय समीकरण के हाल के बारे में जानकारी ली और कहा कि जिन सीटों पर जिन जातियों की बहुलता है, उसी के आधार पर प्रत्याशी तय किए जाएंगे।

आर्मी के जवानों के लिए आईआईटी इंदौर ने बनाए खास जूते

- हर एक कदम पर बनेगी बिजली, ट्रेस भी किए जाएंगे सेना के जवानो

इंदौर (एजेंसी)। आईआईटी इंदौर ने फौजियों के लिए नवाचारी तकनीक से खास जूते तैयार किए हैं। इन जूतों को पहनकर चलने से न केवल बिजली बन सकती है, बल्कि वास्तविक समय में सैन्य कर्मियों की लोकेशन का भी पता लगाया जा सकता है। आईआईटी के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आईआईटी इंदौर ने डीआरडीओ को ऐसे जूतों के 10 जोड़ों की पहली खेप मुहैया भी करा दी है। उन्होंने बताया कि इन जूतों को आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर आईए पलानी के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है।

सुनीता विलियम्स की वापसी के लिए बचे टोटल '12 दिन'

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को लेकर बढ़ती जा रही टेंशन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर स्पेस में फंसे हुए हैं। दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग स्टारलाइनर की पहली उड़ान की टेस्टिंग के लिए रवाना हुए थे लेकिन उनके अंतरिक्ष यान में खराबी आ गई, जिस कारण वह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में ही फंसे हैं। अब नासा के पास उनकी वापसी के लिए 12 दिनों का समय है। न्यूयॉर्क टाइम्स में रिपोर्ट आई है कि नासा स्पेस स्टेशन में संभावित भीड़ पर नजर रख रहा है। दरअसल अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा 18 अगस्त को 'क्रू -9' मिशन लॉन्च करने वाला है। इस मिशन के जरिए चार अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशन स्पेस स्टेशन पर

जाएंगे। हालांकि स्पेस स्टेशन का लक्ष्य एक समय में तीन से छह अंतरिक्ष यात्रियों को रखना है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस काटेगी पांच विधायकों का टिकट

- विधान परिषद चुनाव में की थी क्रॉस वोटिंग, सीट बंटवारे पर आज मीटिंग

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव में क्रास वोटिंग करने वाले कांग्रेस के 5 विधायकों का विधानसभा चुनाव में टिकट काटेगा। सूत्रों के अनुसार इनके बदले पार्टी नए चेहरों को मौका देगी। हालांकि कांग्रेस की ओर से इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों के अनुसार टिकट कटने वाले विधायकों में सुलभा खोडके, झिशान सिद्दीकी, हिरामन खोसकर, जितेश अंतापूरकर, मोहन हंबर्डे शामिल हैं। महाराष्ट्र में विधान परिषद (एमएलसी) के चुनाव में कांग्रेस के 7 से 8 विधायकों के क्रॉस वोटिंग करने की खबर सामने आई थी। यह खबर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की बैठक से एक दिन पहले आई है। 7 अगस्त को सीट शेयरिंग का फॉर्मूला और अन्य पहलुओं पर एमवीए की बैठक होनी है। अक्टूबर महीने में महाराष्ट्र में

विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में विधानसभा की 288 सीटें हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में है। 12 जुलाई को हुए महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव में एनडीए गठबंधन ने 11 में से 9 सीटें जीती।

पूर्वोत्तर में बढ़ने वाली है मोदी सरकार की टेंशन!

- बांग्लादेश बवाल को हल्के में नहीं ले सकता है भारत • आतंकवाद का और बढ़ेगा खतरा, कट्टरपंथी होंगे हावी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हालात बेकाबू हो चुके हैं, जो किसी ने नहीं सोचा था, वो सब कुछ भारत के पड़ोसी मुल्क में इस समय हो रहा है। बड़ी बात यह है कि शेख हसीना अब बांग्लादेश की प्रधानमंत्री नहीं हैं, वे तो जान बचाकर भारत आ चुकी हैं। अब भारत उन्हें शरण देगा या नहीं, अभी इसे लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन मोदी सरकार के लिए नई टेंशन शुरू हो चुकी है। बांग्लादेश में जैसे हालात हैं, माना जा रहा है कि कई लोग देश छोड़ेंगे, अब छोड़ेंगे तो कहीं तो शरण लेने के लिए आना पड़ेगा। अब जानकार मानते हैं कि इस सवाल का जवाब बांग्लादेश के कई लोगों के लिए भारत रहने वाला है। यह जवाब ही मोदी सरकार के लिए एक नई चुनौती है क्योंकि अगर ज्यादा बांग्लादेशी भारत में अवैध तरीके से आ जाते हैं तो सुरक्षा से लेकर ड्रग्स की समस्या खड़ी हो जाती है। समझने वाली बात यह है कि भारत और बांग्लादेश 4096.70 किमी की अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। यहां भी पांच राज्यों के साथ बांग्लादेश की सीमा सीधे रूप से जुड़ी हुई है- असम, बंगाल, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम।

इतने साल बीत गए, फेंसिंग का काम अधूरा

अब इस सीमा से तस्करी होती है, आतंकी आते-जाते हैं और अवैध घुसपैठ भी काफी आम रहती है। यह कोई अभी की समस्या नहीं है बल्कि जब से बांग्लादेश आजाद हुआ है, सीमा पार से भारत के लिए खतरा बना रहा है। इस खतरे को देखते हुए ही 1986 में भारत सरकार ने सीमा पर बाड़ बनाने का फैसला किया था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने सालों बाद भी वो फेंसिंग पूरी नहीं हो सकी है। सरकार का ही आंकड़ा बताता है कि अभी तक सिर्फ 3180.65 किलोमीटर लंबाई पर ही बाड़ लग पाई है। पहले कहा गया था कि इस साल मार्च तक 915 किलोमीटर की सीमा पर फेंसिंग पूरी हो जाएगी, वो काम भी बीच में अटका हुआ है।

तस्करी का खेल, करोड़ों का अवैध कारोबार

अब एक तरफ फेंसिंग का काम पूरा नहीं हुआ है, वही दूसरी तरफ भारत-बांग्लादेश सीमा से अवैध वस्तुएं जब्त की जा रही हैं। सरकारी आंकड़े मुताबिक पिछले चार सालों में 8500 करोड़ का अवैध सामान इसी सीमा से जब्त किया गया है। यह बताने के लिए काफी है कि भारत-बांग्लादेश की सीमा कितनी संवेदनशील है। बड़ी बात यह भी है कि बांग्लादेश से सबसे ज्यादा अप्रासी पश्चिम बंगाल और असम में आते हैं। कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है जिससे यह पता चल सके कि कितने बांग्लादेशी अवैध हैं।

गोल्ड की महक

पेरिस में नीरज चोपड़ा का 'बाहुबली' अवतार

पेरिस (एजेंसी)। भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने क्वालिफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर का थ्रो फेंक कर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। ऐसे में नीरज अब फाइनल में गोल्ड मेडल के लिए भाला फेकेंगे। नीजर क्वालिफिकेशन राउंड में पहले नंबर पर थ्रो फेंकने आए थे। नीरज ने पहले ही थ्रो में 89.34 का थ्रो मारकर फाइनल में एंट्री मार ली। इस तरह भारत का यह स्टार फाइनल में अपने गोल्ड मेडल को डिफेंड करेंगे। नीरज का ये थ्रो उनका सीजन बेस्ट भी रहा। इसके अलावा वह पर्सनल बेस्ट के करीब भी पहुंच गए। वहीं अब उम्मीद है कि फाइनल में नीरज चोपड़ा 90 मीटर की बाधा को पार करने की कोशिश करेंगे।

- पहले ही थ्रो में मारा 89.34 मीटर का थ्रो, पहुंचे फाइनल में

वहीं, पाकिस्तान के अरशद नदीम ने भी अपने पहले ही थ्रो में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 86.59 मीटर का थ्रो किया, जो उनका सीजन का बेस्ट थ्रो रहा। अब भारत के नीरज से उनकी फाइनल में भिड़ंत होगी। दूसरी ओर, नीरज चोपड़ा के साथी किशोर जेना ग्रुप-ए में थे। उन्होंने 80.73 मीटर का थ्रो किया और अपने ग्रुप में 9वें नंबर पर रहे। वह फाइनल की दौड़ से बाहर हो चुके हैं। पहले राउंड में नीरज चोपड़ा सबसे टॉप रहे। इस

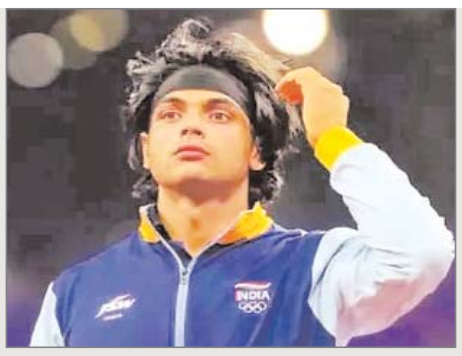

तरह नीरज और नदीम बाकी को प्रयास के लिए नहीं आएंगे। बता दें कि भाला फेंक के इस प्रतियोगिता के लिए क्वालिफिकेशन के लिए कम से कम 84 मीटर का थ्रो करना जरूरी था।

सभी भाला फेंक एथलीट को 84 मीटर भाला फेंकने के लिए तीन मौके मिलते। हालांकि, जो खिलाड़ी पहले ही प्रयास में इस दूरी को हासिल कर लेता है उसके बाकी के दो अटेंप्ट नहीं करने होते हैं। यही कारण है कि नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम ने बचे हुए प्रयास में हिस्सा नहीं लिया। भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में नीरज चोपड़ा के लिए चुनौती बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाली है। फाइनल में उनकी टक्कर ग्रुप ए से क्वालीफाई करने वाले जूलियन बेवर से होगी। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 87.76 मीटर का थ्रो फेंका था। हालांकि, ग्रुप में भी नीरज चोपड़ा के बराबर किसी ने दूरी हासिल नहीं की, लेकिन इसके बावजूद उन्हें कड़ी टक्कर मिलेगी। ग्रुप ए में जूलियन बेवर के अलावा जूलियस येगो ने 85.97 मीटर का थ्रो फेंका और दूसरे स्थान पर रहते हुए उन्होंने क्वालीफाई किया। वहीं तीसरे वाल्डेज याकूब रहे जिन्होंने 85.63 मीटर दूर भाला फेंका। इसके अलावा टोनी केरानन ने 85.27 मीटर थ्रो कर फाइनल में जगह बनाई।

संक्षिप्त समाचार

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में सोलर पैनल की स्थापना और रखरखाव पर 7 दिवसीय प्रशिक्षण

भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल की पहल पर वर्तमान की आवश्यकतानुसार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के लिये कई नवाचार किये जा रहे हैं। वर्तमान में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का प्रचलन बढ़ा है। इस क्षेत्र में कुशल कार्य बल तैयार करने के क्रम में सोलर पैनल के स्थापना एवं रखरखाव के लिये प्रदेश के 25 शासकीय आईटीआई में 5 अगस्त से युवाओं को 7 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा सोलर रूफ टॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने और आवासीय परिवारों को एक करोड़ रूफ टॉप सोलर सिस्टम स्थापित करके अपनी बिजली उत्पन्न करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रारंभ की गई। सोलर रूफ टॉप के स्थापना एवं रख रखाव के लिए बड़े पैमाने पर कुशल कार्य बल की आवश्यकता की पूर्ति के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के द्वारा आईटीआई के लगभग एक लाख प्रशिक्षणार्थियों को सोलर रूफ टॉप टेक्नीशियन के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया शंकरपुर विद्युत सब स्टेशन का उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार को शंकरपुर में नवनिर्मित विद्युत सब स्टेशन का उद्घाटन फीता काटकर किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग श्री मनु श्रीवास्तव, प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी श्री क्षितिज सिंघल, मुख्य महाप्रबंधक वि.वि. कंपनी श्री राजीव गुप्ता, महाप्रबंधक श्री नितिन मांगलिक सहित क्षेत्रीय आमजन उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि एसएसटीडी योजना में नवनिर्मित 33/11 केवी उपकेंद्र शंकरपुर 2 करोड 47 लाख में बनाया गया है। इस सब स्टेशन से लगभग 2000 उपभोक्ताओं को लाभ तो मिलेगा ही साथ ही शंकरपुर इंडस्ट्री एरिया को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सब स्टेशन बनने से क्षेत्र में विद्युत कटौती एवं ट्रिपिंग की समस्या से निजात मिलेगी तथा निर्बाध रूप से सभी को बिजली मिलती रहेगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग श्री मनु श्रीवास्तव एवं प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी श्री क्षितिज सिंघल के साथ सब स्टेशन परिसर में पौधा रोपा। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिसर को हरा भरा बनाये रखने के परिसर में अधिक से अधिक पौधारोपण करें।

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा ने ग्वालियर में कराए मीटर सील

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने रविवार को ग्वालियर सिटी के सुरेश नगर एवं प्रमिला प्लाजा एरिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया की उक्त क्षेत्र के अनेक उपभोक्ता अटल गृह ज्योति योजना का लाभ ले रहे हैं, जबकि उनके परिसर काफी बड़े हैं और उनके परिसर का विद्युत भार भी स्वीकृत भार से अधिक है। उन्होंने सुरेश नगर के उपभोक्ता अशोक कुमार शुक्ला के परिसर का मीटर सील कराकर मीटर टेस्टिंग लैब में भिजवाया। इसी प्रकार प्रमिला प्लाजा एरिया में 5-6 उपभोक्ताओं के मीटर में अनियमितता पाए जाने पर मीटर सील कराया गया तथा लैब में परीक्षण के लिये भेजा गया। निरीक्षण के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल एवं मुख्य महाप्रबंधक ग्वालियर क्षेत्र श्री राजीव गुप्ता उपस्थित थे। गौरतलब है की इन उपभोक्ताओं द्वारा अटल गृह ज्योति योजना का लाभ लिया जा रहा था, जबकि इनके परिसर का लोड स्वीकृत भार से कहीं अधिक पाया गया है। प्रकरणों में विस्तृत जांच की जा रही है।

खाद्य लायसेंस लेना अनिवार्य बिना लायसेंस कारोबार करने पर 5 लाख का जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य लायसेंस एवं रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। बिना खाद्य लायसेंस के कारोबार करने पर 6 माह का कारावास और अधिकतम 5 लाख रूपये तक जुर्माना होगा। इस आशय के निर्देश जारी किए है खाद्य कारोबारकर्ता दूध विक्रेता, किराना, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, फल, सब्जी विक्रेता, पानीपुरी, चाट, पोहा, समोसा के ठेले, पान गुमठी, टिफिन सेंटर, ट्रांसपोर्टर, राशन दुकानें, वेयरहाउस, केटर्स, शासकीय, अशासकीय संस्थानाओं में संचालित कैन्टीन एवं सभी खाद्य कारोबारकर्ता व्यापारी जो खाने-पीने से सम्बन्धित सामग्री का निर्माण, भण्डारण, परिवहन तथा विक्रय करते हैं, उन सभी को लायसेंस, रजिस्ट्रेशन लेना अनिवार्य है। ऐसे खाद्य कारोबारकर्ता जिनका वार्षिक टर्नओवर 12 लाख रूपए से अधिक है,

बाबा महाकाल की सवारी बनी आस्था, उत्साह और उमंग की त्रिवेणी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बाबा महाकाल की तीसरी सवारी आस्था, उत्साह और उमंग के साथ निकाली गई। श्रावण माह के तीसरे सोमवार भगवान श्री महाकालेश्वर श्री चंद्रमौलेश्वर के रूप में पालकी में, हाथी पर श्री मनमहेश के रूप में व गरूड़ रथ पर श्री शिव-तांडव स्वरूप में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले और अपनी प्रजा का हाल जाना। इस दौरान 1500 डमरू वादकों ने एक साथ डमरू बजाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। भगवान महाकाल की सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप में भगवान महाकाल का उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने विधिवत पूजन-अर्चन किया और सवारी में शामिल हुए। इस अवसर पर सभा मंडप में विधायक श्री सतीश मालवीय, विधायक श्री महेश परमार, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बाबा महाकाल की सवारी में डमरू वादन की मंगल ध्वनि के साथ भगवान शिव की स्तुति की गई। डमरू वादकों द्वारा एकसाथ लयबद्ध रूप में आकर्षक एवं मनमोहक प्रस्तुति

देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। श्रावण माह का तीसरा सोमवार उज्जैन के लिए ऐतिहासिक रहा। महाकाल लोक के शक्तिपथ पर 1500 डमरू वादकों ने एक साथ एक समय समय में लयबद्ध डमरू वादन कर विश्व कीर्तिमान रचा। बाबा श्री महाकाल के भक्तों ने हर्षोल्लास और उमंग से सवारी में भाग लिया और डमरू वादकों का स्वागत किया। बाबा महाकाल की सवारी में निमाड़ अंचल के लोकनृत्य काठी की मनमोहक प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रही। भगवान शंकर और माता गौरा से जुड़ी इस प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। लोक कलाकारों ने मोर पंख से सजी आकर्षक रंग-बिरंगी वेशभूषा में प्रमुख ढाक वाद्य यंत्र से आकर्षक प्रस्तुति दी। बाबा महाकाल की सवारी के साथ भजन मंडलियां भी उत्साह और उमंग के साथ शिव भजनों की मधुर प्रस्तुति देते हुए चली।भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी महाकाल मन्दिर से प्रस्थान कर जैसे ही रामघाट पर पहुंची, वैसे ही चहुंओर आस्था और श्रद्धा का जन-सैलाब उमड़ पड़ा। श्रावण में अपने सौंदर्य की छटा बिखेरते हुए स्वयं प्रकृति भगवान श्री महाकाल का स्वागत करने के लिए आतुर दिखाई दी। पुजारियों के साथ भगवान का जलाभिषेक वर्षा कर इन्द्र देव ने भी किया। भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन और जलाभिषेक पं. आशीष पुजारी द्वारा कराया गया। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने भी रामघाट पर भगवान का पूजन किया।

तीन उत्कृष्ट बुनकरों को पुरस्कृत भी किया जायेगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में होने वाले 21 प्रकार के औद्योगिक कार्यों/गतिविधियों के विकास के लिये बुनकरों, शिल्पियों एवं अन्य विधाओं के कारीगरों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हस्तशिल्प, ग्रामोद्योग, चमड़ा उद्योग (चर्मकार्य), बर्तन उद्योग, कागज से बने उत्पाद, छपाई, जिल्दसाजी, सिथोग्राफी, कांच उत्पाद, रबर के सामान और इससे बनने वाले उत्पाद, भवन निर्माण कार्य/भवन सामग्री, रसायन/ रसायन के उत्पाद, पेट्रोल रसायन (प्लास्टिक), सामान्य इंजीनियरिंग, खेल का सामान, रेशम संबंधी उत्पाद, नारियल के रेशे, वन क्षेत्रों पर आधारित कार्य/कलाकर्म, सेवा उद्योग संबंधी कार्य एवं अन्य विविध विधाओं में संलग्न व्यक्तियों के हुनर को निखारने के लिये इन्हें तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बुनियादी एवं उन्नत दोनों श्रेणी के प्रशिक्षण देकर ग्रामोद्योगों में संलग्न व्यक्तियों के कौशल विकास के महती प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा एक जिला-एक उत्पाद योजना के अंर्तगत के प्रदेश के 7 जिलों में हो रही विशेष ग्रामोद्योग गतिविधियों को चिन्हांकित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा अशोक नगर (चन्देरी, हाथकरघा वस्त्र साडी आदि), धार (बाग प्रिंट), उज्जैन (बटिक प्रिंट), सीधी (दरी/कालीन), सीहोर (लेकर वेयर शिल्प), भोपाल (जरी, जरदोजी) एवं दतिया (गुड़ उत्पाद) का चयन किया गया है। योजना में इन जिलों से संबंधित ग्राम्य उत्पादों के विस्तार एवं विपणन से जुड़ी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके लिये बुनकरों एवं शिल्पियों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण, टूल किट, उपकरण प्रदाय एवं उत्पादन विक्रय के लिये विपणन सुविधा देकर निर्मित उत्पादों को प्रदेश व देश में आयोजित विभिन्न मेलों/प्रदर्शनियों के माध्यम से बिक्री कराकर इनके रोजगार का प्रबंध भी किया जा रहा है। इस योजना में प्रदेश के हाथकरघा वस्त्र उत्पादन करने वाले तीन उत्कृष्ट बुनकरों को प्रोत्साहन स्वरूप चयन समिति की अनुशंसा/निर्णय के अनुरूप पुरस्कार दिये जाते हैं। प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रूपये, द्वितीय पुरस्कार में 50 हजार रूपये एवं तृतीय पुरस्कार में 25 हजार रूपये दिये जाते हैं।

लोकपथ ऐप में प्राप्त शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करे, अन्यथा होगी कड़ी कार्रवाई -मंत्री श्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज मंत्रालय में लोकपथ ऐप की विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने लोकपथ ऐप में प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण की स्थिति पर जानकारी प्राप्त की। लोकपथ ऐप में अब तक 1846 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 1609 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। मंत्री श्री राकेश सिंह ने समीक्षा के दौरान लोकपथ ऐप में अधिक समय से लंबित शिकायतों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। लंबित शिकायतों में ईई सीधी एम.के. परते के स्तर पर 13, ईई खरगोन विजय सिंह पवार के स्तर पर 7 और ईई बुरहानपुर पद्म रेखा श्रीवास्तव के स्तर पर 5 शिकायतें अधिक समय से लंबित हैं। इसके अतिरिक्त, आरडीसी डिवीज़नल मैनेजर सोनल सिन्हा के स्तर पर भी शिकायत लंबित पाई गईं। मंत्री श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर सख्त लहजे में 24 घंटे के भीतर सभी लंबित शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट

किया कि अगर इस अवधि में शिकायतों का निराकरण नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मंत्री श्री सिंह ने बालाघाट में आरडीसी सब इंजीनियर दीपक आडे द्वारा लोकपथ ऐप में प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने पर बधाई दी और उन्हें अच्छे कार्य को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिकायतों का त्वरित निराकरण आम जनता की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मंत्री श्री सारंग ने किया शा. नवीन उ. मा. विद्यालय सेमरा का औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के प्रांगण में निर्माण कार्य में अनियमित्ता मिलने पर पीआईयू के कार्यपालन यंत्री से नाराजगी व्यक्त की। मंत्री श्री सारंग भोपाल में भारी वर्षा के कारण सेमरा स्थित शासकीय स्कूल प्रांगण में जलभराव की शिकायत मिलने पर औचक निरीक्षण करने पहुंचे। मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा के सभी शासकीय विद्यालयों के पुराने भवनों के उन्नयन के लिये मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कक्षा में

पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा क्लासरूम में शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जा रहे पाठ्यक्रम का भी अवलोकन किया। मंत्री श्री सारंग ने सेमरा शासकीय विद्यालय प्रांगण में विगत दिनों अतिवर्षा के कारण जलभराव की स्थिति निर्मित होने पर पूरे भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया कि शाला प्रांगण में पीआईयू डिविजन क्रमांक-1 द्वारा निर्माण कार्य करवाया जा रहा है तथा निर्माण कार्य में अनियमितता के कारण जलभराव की स्थिति निर्मित हो रही है। मंत्री श्री सारंग ने तत्काल कार्यपालन यंत्री को कॉल कर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माण कार्य को निश्चित समयावधि के भीतर पूरा करने के साथ ही नरेला विधानसभा के सभी शासकीय स्कूलों के पुराने भवनों के उन्नयन के लिये मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा अंतर्गत सभी शासकीय विद्यालयों का एक वर्ष के भीतर उन्नयन करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग, पीआईयू, नगर निगम द्वारा समन्वय करते हुए मास्टर प्लान तैयार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना का विस्तार करते हुए शासकीय विद्यालयों के भवनों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी, जिससे शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुविधाओं में भी विस्तार होगा।

जिला प्रोत्साहन योजना में 14 जिलों में 124 कार्यों के लिये करीब 79 करोड़ रूपये की प्रशासकीय मंजूरी जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार के लोक परिसम्पति प्रबंधन विभाग के अधीन नवीन योजना %लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन जिला प्रोत्साहन% योजना में जिले की आधारभूत संरचनाओं को और अधिक बेहतर और सुदृढ़ करने के लिये आवश्यकता एवं प्रस्ताव अनुसार धनराशि आवंटित की जाती है। लोक परिसम्पतियों का सुचारू प्रबंधन करने के लिये विभाग द्वारा गत वित्त वर्ष 2023-24 में निर्वर्तित परिसम्पत्ति से 14 जिलों को पात्रतानुसार वांछित धनराशि जारी की गई है। योजना में विभाग द्वारा 14 जिलों से प्राप्त प्रस्ताव के अनुसार 124 कार्यों की पूर्णता के लिये कुल 78 करोड़ 96 लाख 46 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। योजना क्रियान्वयन (कार्य पूर्णता) के लिये विभाग द्वारा गुना जिले में 14 कार्यों के लिये 89 लाख 81 हजार रूपये, जबलपुर में 31 कार्यों के लिये 8 करोड़ 77 लाख 93 हजार रूपये, दमोह में एक कार्य के लिये 31 लाख 74 हजार रूपये, कटनी में सात कार्यों के लिये 27 लाख 82 हजार रूपये, ग्वालियर में 6 कार्यों के लिये 3 करोड़ 87 लाख 51 हजार रूपये, इंदौर में 4 कार्यों के लिये 19 करोड़ 33 लाख 51 हजार रूपये एवं छिंदवाड़ा जिले में 22 कार्यों के लिये एक करोड़ 83 लाख 75 हजार रूपये, की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार सागर जिले में 4 कार्यों के लिये 13 करोड़ 48 लाख 23 हजार रूपये, भोपाल में 6 कार्यों के लिये 20 करोड़ 19 लाख 44 हजार रूपये, धार में 3 कार्यों के लिये 3 करोड़ 6 लाख 25 हजार रूपये, नर्मदापुरम में एक कार्य के लिये 30 लाख 9 हजार रूपये तथा आगर-मालवा जिले में एक कार्य के 46 लाख 35 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति विभाग द्वारा जारी की गई है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने ग्वालियर-चंबल संभाग के विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर-चंबल संभाग के विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों की क्षेत्रवार विद्युत समस्याओं के निराकरण के लिये महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने दतिया, भिण्ड, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी, श्योपुर, गुना, अशोकनगर के विधायकों और जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम में कहा कि खराब तथा जले ट्रांसफार्मर यदि पात्रता की श्रेणी में आते हैं तो उन्हें तत्काल बदला जाए।

उन्होंने ओवर लोडेड तथा हर बार जलने वाले ट्रांसफार्मर के लिये तकनीकी परीक्षण कराकर तथा स्वीकृत लोड चेक कर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि करने के निर्देश दिए। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री रामनिवास रावत भी उपस्थित थे। ऊर्जा मंत्री ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री जनजातीय नागरिक महाअभियान (पीएम-जनमन) के प्रथम चरण के कार्य पूर्ण हो गए हैं। दूसरे चरण के कार्य निर्माणाधीन हैं तथा तृतीय एवं चतुर्थ चरण के लिये स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। श्री तोमर ने

विधायकों की मांग पर आरडीएसएस योजना एवं एसएसटीडी योजना के अंतर्गत विधायकों के क्षेत्रांतर्गत स्वीकृत कार्यों को जल्द ही पूर्ण कराने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। ऊर्जा मंत्री ने विधायको को जानकारी दी कि ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिये उपभोक्ता 1912 डायल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने मेंटेनेंस तथा ट्रिपिंग कम से कम करने के लिये मैदानी अधिकारियों के निर्देशों की जानकारी भी विधायकों को दी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी श्री क्षितिज सिंघल, एमडी मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी जबलपुर, निदेशक तकनीकी श्री दीप्तापाल सिंह, मुख्य महाप्रबंधक ग्वालियर क्षेत्र श्री राजीव गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सचिव कौशल विकास राजेन्द्रन ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सागर का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सचिव कौशल विकास एवं रोजगार श्री रघुराज राजेन्द्रन ने शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सागर का निरीक्षण किया। सचिव श्री राजेन्द्रन ने संचालित विभिन्न व्यवसाय प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बनाये गये प्रोजेक्ट मॉडल/उत्पाद की प्रदर्शनी देखी, प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा की।

मॉडल की सराहना करते हुए सचिव श्री राजेन्द्रन ने सुझाव दिया कि प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बनाये गये उत्पादों को बाजार में विक्रय करने के प्रयास किया जाये। आईटीआई में प्रशिक्षण के अंतर्गत तैयार उत्पाद/मॉडल को बाजार में विक्रय करने एवं व्यापक रूप से प्रसार-प्रसार के लिये ऑनलाईन माध्यम का भी प्रयोग किया जाये। इसके लिये वेबसाईट तैयार की जाये। सचिव श्री राजेन्द्रन ने कहा कि तैयार उत्पाद की ब्राण्डिंग के लिये आकर्षक नाम रखा जाये, यदि किसी मॉडल आदि को स्क्रेप आदि से तैयार किया गया है तो उससे पर्यावरण को होने वाले लाभों को भी व्यक्त

किया जाये, जिससे आम नागरिक ऐसे मॉडल को बनवाने के लिये आकर्षित हों। उन्होंने कहा कि आईटीआई में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रवेश लेने के लिये प्रेरित करने और उनकी सहायता करने पर भी जोर दिया जाना चाहिए। जिससे प्रशिक्षणार्थी उच्च एजुकेशन का लाभ ले सकें। सचिव श्री राजेन्द्रन ने शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सागर के विभिन्न व्यवसायों, वेल्डर आर एण्ड एसी टर्नर, मशीनिस्ट फिटर, मैकेनिक डीजल, मैकेनिक ट्रेक्टर, मोटर मैकेनिक एवं प्रोडक्शन सेंटर का निरीक्षण किया एवं उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों एवं प्रशिक्षण अधिकारियों से प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की। सचिव श्री राजेन्द्रन ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान तहत संस्था परिसर में पौधरोपण किया। संस्था में संचालित एनसीसी कैडेट से परिचय प्राप्त किया और एनसीसी के कामों के संबंध में भी चर्चा की।

सांठगांठ से चल रहे आधा सैकड़ा से ज्यादा अवैध कोचिंग सेंटर, नहीं हो रही कार्रवाई

प्रतिमाह लाखों रूपए की मोटी कमाई के बाद भी नही भर रहें जीएसटी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला मुख्यालय में आधा सैकड़ा से ज्यादा अवैध कोचिंग सेंटर संचालित हैं। ज्यादातर स्थलों पर तो एक छोटे से कमरे में क्षमता से अधिक छात्र छात्राओं को बिठा कर सुनहरे भविष्य के सपने दिखाये जा रहे हैं। हैरत की बात तो यह है कि प्रतिमाह लाखों रूपए कमाने वाले कोचिंग सेंटर के संचालकों द्वारा घरेलू विद्युत सेवा का उपयोग किया जा रहा है साथ ही भारत सरकार को देने वाले टैक्स में भी गोल माल किया जा रहा है। वहीं जिला शिक्षा विभाग को भी अंधेरे में रख कर व्यापार को गति दी जा रही है। नियम विरूद्ध संचालित कोचिंग सेंटरो में कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना लगातार बनी हुई है।

आपको बताते चलें कि जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामींण अंचलो एवं कस्बा क्षेत्रों में इन दिनो शिक्षा को व्यापार का स्वारूप प्रदान किया जा रहा है। नियम विरूद्ध संचालित कोचिंग एवं ट्युशन सेंटरो में बिना किसी मान्यता के ही धडल्ले से संचालित हैं। जबकि कोचिंग सेंटर के संचालन हेतु नए नियम और कानून जारी किए जा चुके हैं। ये नियम छात्रों और कोचिंग उद्योग के लिए एक नहीं बल्कि कई चीज़ों में बदलाव करते हैं। कोचिंग सेंटरों के संचालन के लिए न्यूनतम मानक आवश्यकताओं का सुझाव देना और नामांकित छात्रों के हितों की रक्षा करना बताया जा रहा है। इसके अलावा छात्रों पर पढ़ाई का अत्यधिक बोझ और गलाकाट प्रतिस्पर्धा पर विराम लगाने का प्रयास किया गया है। नये नियम के तहत कोचिंग सेंटरों को स्थानीय अधिकार क्षेत्र में आधिकारिक निकाय को पंजीकरण के लिए आवेदन जमा करने की आवश्यकता है। कोचिंग सेंटर को सरकार द्वारा निर्धारित दस्तावेजों की आवश्यकताओं जैसे फॉर्म की आवश्यकताओं का पालन करना होगा। इसके अलावा यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यदि किसी कोचिंग सेंटर की कई शाखाएँ हैं, तो प्रत्येक शाखा को एक अलग इकाई माना जाता है। इसलिए इनमें से प्रत्येक शाखा के लिए एक अलग पंजीकरण आवेदन की आवश्यकता होगी।

नये नियम में बुनियादी ढांचे पर जोर - जानकारो की माने तो नए नियम के तहत बुनियादी ढांचे पर जोर दिया गया है जिसके अनुसार, कोचिंग सेंटरों को प्रत्येक कक्षा में प्रति छात्र कम से कम एक वर्ग मीटर जगह रखने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा प्रत्येक कोचिंग संस्थान के लिए अग्नि सुरक्षा कोड का पालन करना अनिवार्य है। प्रत्येक कोचिंग सेंटर के पास अग्नि और भवन सुरक्षा प्रमाणपत्र होना चाहिए। इसके अतिरिक्त कोचिंग सेंटरों द्वारा सही प्रकाश व्यवस्था, विद्युतीकरण और वेंटिलेशन व्यवस्था अनिवार्य रूप से बनाए रखी जानी चाहिए। उचित सीसीटीवी कैमरे, चिकित्सा सहायता और प्राथमिक चिकित्सा किट पर भी प्रमुखता से जोर दिया गया है। इसके अतिरिक्त नए नियमों के अनुसारए पाठ्यक्रमों के लिए ट्यूशन फीस उचित और निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही फीस की विस्तृत रसीदें भी प्रदान की जानी चाहिए। याद रखें पाठ्यक्रमों, उनकी अवधि, कक्षाओं, छात्रावास सुविधाओं, निकास नीतियों, शुल्क वापसी प्रक्रियाओं और अधिक के बारे में सभी प्रामाणिक जानकारी वाला एक प्रॉस्पेक्टस प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

इनका कहना है -

अभी तक किसी भी कोचिंग सेंटर के संचालक द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत नही किया गया है। यदि कहीं भी नियम विरूद्ध कार्य को गति दी जा रही है तो शिकायत मिलने के बाद जॉच एवं उचित विधिक कार्रवाई की जायेगी।

डॉ.पीएल मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी सीधी।

आदिवासी दिवस मनाने को लेकर क्रन्तिकारी मोर्चा की बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। टोंको-रोंको-ठोंको क्रन्तिकारी मोर्चा के संयोजक उमेश तिवारी ने जारी विज्ञप्ति में बताया है की ग्राम भुमका माध्यमिक शाला के पास विश्व आदिवासी दिवस मनाने को लेकर टोंको.रोंको.ठोंको क्रन्तिकारी मोर्चा की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता शिवकुमार सिंह ने की। बैठक में बड़ी संख्या में आदिवासी महिला पुरुष ग्रामीण जन उपस्थित रहे। इस मौके पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नौ अगस्त को मूसामूडी, भरुही गड़ई में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम के बाद आदिवासी समुदाय जुलूस के रूप में कार्यक्रम स्थल से टिकरी तिराहा तक पहुंचेंगे। सम्मेलन में आदिवासियों द्वारा स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी साथ ही जल, जंगल, जमीन, पलायन, विस्थापन, भाषा सांस्कृतिक, पाँचवी अनुसूची, पेशा एक्ट पर प्रमुख रूप से चर्चा की जाएगी। बैठक में प्रमुख रूप से शिवकुमार सिंह, बंशपती सिंह, देवशरण सिंह, विजय सिंह, महाबीर सिंह, इंद्रपाल सिंह, विजय बहादुर सिंह, भगवान सिंह, विश्वम्भर सिंह, राजेश कुशवाहा, नन्दलाल सिंह, दानी सिंह, ललन सिंह, हीरालाल कुशवाहा, राजेश सिंह सहित अन्य मौजूद रहें।

नाग पंचमी पर व्यायाम शाला के अखाड़े में उतरेगें पहलवान, दिखाएंगे दमखम

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। विगत वर्षो की भॉति इस वर्ष भी नाग पंचमी के अवसर पर 9 अगस्त 24 को जिला मुख्यालय के व्यायाम शाला अमहा में विशाल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन दोपहर 3 बजे से सुनियोजित है। रनशेर अली खान ने बताया कि कुश्ती में भाग लेने के लिये देश के विभिन्न अंचलो से पहलवान आयेगें। जिसमे थापा पहलवान नेपाल, विक्की पहलवान पटियाला पंजाब, कलशपाल महिला पहलवान कानपुर उ.प्र., पवन कुमार हरियाणा, दिलशेर पहलवान सहारनपुर, बबलू पहलवान मेरठ, मोंटी चौहान मेरठ, उपेन्द्र कुमार यादव बलिया, संजय गुप्ता महिला पहलवान कानपुर, हिंमाशू शिरसा एवं अन्य पहलवान अखाड़े में उतर कर दमखम दिखाएंगे।

उक्त दंगल कार्यक्र म में मुख्य अतिथि ज्ञान प्रताप सिंह अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी होगें कार्यक्र म के अध्यक्षता श्रीमती काजल वर्मा नगर पालिका अध्यक्ष करेंगी। अखाड़े के अध्यक्ष रनशेर अली खान ने चर्चा के दौरान बताया कि सीधी जिले मे सन् 1971 से दंगल प्रतियोगिता आयोजन किया जा रहा है।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत ने किया वृक्षारोपण

सीधी निप्र। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद महाकौशल प्रांत के प्रदेश एवं जिले के सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस संजय गांधी महाविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम प्रांगण में बृक्षारोंपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राजेश मिश्रा सांसद, अध्यक्ष प्रदेश कार्य समिति सदस्य सुजाता मिश्रा, प्रदेश कार्य समिति पूर्व सदस्य आशुतोष गुप्ता, प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रमोद कुमार मिश्र, डॉ.पी.के सिंह प्राचार्य, निशा मिश्रा उपाध्यक्ष अधिवक्ता परिषद, विद्याकांत मिश्रा सचिव ने वृक्षारोपण कर अन्य लोगों को इस दिशा में प्रेरित किया है।

डॉ राजेश मिश्रा ने बृक्षारोपण कर अपने उद्बोधन में कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को घर घर.घर पहुंचाने की आवश्यकता है, वृक्षारोपण के साथ.साथ वृक्षों के संरक्षण की विशेष आवश्यकता है। डॉ पी के सिंह पर्यावरण बचाने का मतलब जीवन बचाना है समझाया। आशुतोष गुप्ता ने औषधिय पौधों के महत्व को समझाया। प्रमोद कुमार मिश्रा ने एक पेड़ सेहत के नाम अभियान को आगे बढ़ाने की बात करते हुए बतायें की यदि आप शहरी परिवेश में रहते हैं और बृक्षारोंपण हेतु आपके पास भूमि का अभाव है तो ऐसे में घर की छत, द्वार एवं अन्य स्थलों पर भी नवीन पद्धति के द्वारा पौध रोंपण कर सकते हैं।

शिवम हत्याकांड मामले में पुलिस ने किया खुलासा

3 गिरफ्तार, 1 फरार, प्रेम प्रसंग के चलते किया गया था मर्डर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। पुलिस ने मंगलवार दोपहर सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हुई हत्याकांड का खुलासा कर दिया। एसपी आगम जैन ने बताया कि 1 अगस्त को सटई रोड पीतांबरा के पास रहने वाले शिवम मिश्रा की हत्या महोबा रोड आरटीओ ऑफिस के पास शाम के वक्त हुई थी। परिजनों की शिकायत पर रात्रि 9:30 बजे थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके बाद थाना पुलिस युवक की तलाश में जुट गई थी। शिकायत के आधार पर सिविल लाइन थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की एक टीम का गठन किया। इसके बाद हत्या संबंध में आवश्यक दस्तावेज के आधार पर तलाश शुरू कर दी थी।

थाना पुलिस ने युवक के मोबाइल से उसकी कॉल डिटेल की जानकारी प्राप्त की। जिसके आधार पर घटना के समय राहुल विश्वकर्मा से बात हो रही थी। राहुल विश्वकर्मा को पुलिस टीम के द्वारा गिरफ्तार किया गया। उसके बाद राहुल विश्वकर्मा से सख्ती से पूछताछ की गई।

राहुल विश्वकर्मा ने बताया कि शिवम मिश्रा को मैंने दिव्यांशु पालिया के कहने पर फोन करके अपनी दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगाने के बहाने बुलाया था। जहां मैंने दिव्यांशु पालिया एवं अन्य दोस्तों के साथ एक राय होकर शुभम के साथ दुकान के अंदर बुरी तरह मारपीट की। फिर मारकर हाथ पैर बांधे और चार पहिया कार यूपी80सीई6896 में डालकर गर्रोली के पास धसान नदी के पुल से फेंक दिया।

पुलिस के द्वारा लगातार मुख्य आरोपी दिव्यांशु की तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर दिव्यांशु पालिया को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के संबंध में आरोपी दिव्यांशु से पूछताछ की गई।

आरोपी दिव्यांशु ने बताया कि मेरा शिवम मिश्रा से एक युवती को लेकर मनमुटाव चल रहा था।

मैं उसे हरहाल में मारना चाहता था। शिवम को मारने के लिए मैंने सावन के पहले सोमवार से 1 दिन का व्रत भी रखना प्रारंभ कर दिया था। उसी दिन मैंने अपने दोस्त राहुल विश्वकर्मा से कहकर शुभम को महोबा रोड के धुलाई सेंटर पर बुलाया था, धुलाई सेंटर में राहुल व अन्य दोस्त पहले से मौजूद थे। जैसे ही शिवम मिश्रा दुकान के अंदर आया। हम लोगों ने योजना पर तरीके से जान से मारने के उद्देश्य से शिवम मिश्रा के साथ डंडों से मारपीट की। उसके हाथ पैर बांधकर एक चार पहिया वाहन में डाल कर धसान नदी के पुल से नदी में फेंक दिया था। उसकी बाइक को पानी से भरे कुएं में फेंक दिया था।

जानकारी के बाद से एसडीईआरएफ की उक्त टीम ने शुक्रवार को नौगांव थाना अंतर्गत आने वाले गर्रोली से निकली धसान नदी के रामघाट से सर्चिंग शुरू की थी। सोमवार को एसडीईआरएफ टीम के एसआई विनीत तिवारी के नेतृत्व में टीम के द्वारा नदी को खंगालते हुए गर्रोली से करीब 15 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के बॉर्डर पर स्थित अलीपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम करारा गंज के पास पहुंची थी। सर्चिंग के दौरान टीम को एक शव झाड़ियों में फंसा हुआ मिला था।

एसडीईआरएफ टीम ने शव को बाहर निकालकर पुलिस के सौंप दिया। उन्होंने बताया कि मृतक शिवम मिश्रा शहर के सटई रोड का रहने वाला था। वह शहर के एक निजी स्कूल में शिक्षक था और अपनी दो बहनों का इकलौता भाई था।

कार और मोबाइल जब्त: घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन रक्त से सने हुए कपड़े मोबाइल आदि साथ बरामद किए गए हैं। हत्या के आरोपी राहुल विश्वकर्मा पर पन्ना जिले में चोरी के अपराध पूर्व से दर्ज हैं। एक आरोपी अभी फरार है जिसकी तलाश की जा रही हैं।

हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

स्कार्पियों रोक लाठी-डंडों से मारपीट की थी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। गौरिहार थाना पुलिस ने मंगलवार शाम हत्या के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, 30 जुलाई की दोपहर 2 बजे ग्राम गहबरा में कुछ अज्ञात लोगों ने एकत्रित होकर पीड़ित के स्कार्पियों वाहन को रोक कर लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया था।

परिजनों की शिकायत पर थाना पुलिस ने पीड़ित व साक्षियों के बयानों के अनुसार 7 नामजद आरोपियों के विरुद्ध हत्या की कोशिश सहित संबंधी विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया था। पीड़ित की हालत गंभीर होने के कारण गौरिहार अस्पताल से जिला अस्पताल रेफर किया गया था। इलाज के दौरान पीड़ित की मौत हो गई थी। इसके बाद पूर्व कथनों, एकत्रित साक्ष्य, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर उक्त पंजीबद्ध प्रकरण में हत्या की धारा की बढ़ोतरी की गई।

पुलिस हत्या करने वाले आरोपियों की तलाश कर रही थी। मृतक लालाभाई उर्फ विजय तिवारी की हत्या करने वाले आरोपियों में से दो आरोपियों रवि उर्फ रविंद्र अहिरवार पिता सुरेश अहिरवार निवासी ग्राम गहबरा, उदयभान पूर्व छोटू शुक्ला पिता गणेश शुक्ला निवासी गहबरा को सोमवार की शाम गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया। आरोपियों से पूछताछ करने पर उक्त हत्या की घटना करना स्वीकारा गया। आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त लाठी, डंडा बरामद कर जब्त किया गया। गौरीहार थाना प्रभारी उदयवीर सिंह तोमर ने बताया कि रवि अहिरवार व छोटू शुक्ला आदतन अपराधी हैं। रवि अहिरवार के विरुद्ध मारपीट, अवैध हथियार, अवैध वसूली जैसे 14 अपराध, एवं छोटू शुक्ला के विरुद्ध 5 अपराध पूर्व से दर्ज हैं। दोनों को मंगलवार को जेल भेज दिया गया है।

देवेंद्रनगर पुलिस को मिली सफलता

सस्ते दाम में बिल्डिंग मटेरियल बेचने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जिले की देवेंद्रनगर थाना पुलिस ने ठग गिरोह के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 54 हजार रुपए बरामद किए गए हैं। यह ठग गिरोह लोगों को फोन पर सस्ते दामों में ईंट, सीमेंट, गिट्टी और रेत उपलब्ध करवाने की लालच देकर ठगी का शिकार बनाते थे। इसके बाद खाते में पैसे डलवाकर मोबाइल बंद कर लेते थे। जिसकी शिकायत देवेंद्र नगर थाने में अलग-अलग फरियादियों ने की थी। जिसके आधार पर पुलिस ने भोपाल निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां उन्हें जेल भेज दिया गया हैं।

जानकारी के अनुसार पन्ना एसपी कार्यालय में अलग-अलग फरियादियों आवेदन पत्र दिया था। जिसमें उन्होंने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन लगाकर सस्ते दाम में ईट, गिट्टी, रेत और सीमेंट उपलब्ध करवाने का लालच देकर ठगी कर ली हैं।

मामले को पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस थोटा ने जांच के बाद अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाना देवेन्द्र नगर में मामला दर्ज करवाया। आरोपियों की तलाश के लिए टीम बनाई गई। पुलिस साइबर सेल की मदद से टीम ने 2 संदेही व्यक्तियों को पकड़कर पूछताछ की।

दोनों ने एक अन्य साथी के साथ मिलकर अलग-अलग व्यक्तियों को फोन लगाकर सस्ते दामो में ईट, गिट्टी उपलब्ध करवाने का लालच देकर ठगी करना कबूला। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से कुल 54 हजार रूपए नगद और एक मोबाइल जब्त किया है।

गिरफ्तार आरोपी: -राजकुमार उर्फ राजू होटले (40) निवासी कुलुखेड़ी, थाना बैरागढ़, जिला भोपाल

-राहुल भारती (28) निवासी खजुरी सड़क, थाना खजुरी भोपाल

सांसद ने संसद में उठाया जल जीवन मिशन की वर्किंग पर प्रश्न

सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अति महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन की कार्य प्रणाली पर लोकसभा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता पर प्रश्न उठाया वहीं हर व्यक्ति को शुद्ध पेयजल आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए क्षेत्र की जनता की ओर से धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

पन्ना में फिर चमकी 4 किसानों की किस्मत

80 लाख रुपए का 16.10 कैरेट हीरा मिला, सिर्फ 200 रुपए की देकर लिया था पट्टा

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। देश और दुनिया में बेशकीमती हीरो के लिए विश्वविख्यात मध्यप्रदेश के पन्ना जिले की रत्नगर्भा धरती से एक बार फिर चार किसानों की किस्मत चमकी है। इस बार किसानों को 16.10 कैरेट का बेशकीमती हीरा मिला है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 80 लाख रुपए बताई जा रही है।

हीरे में पार्टनर चार किसानों में मनौर पंचायत के सरपंच भी शामिल हैं। जिन्हें अबतक कुल 15 नग हीरे मिल चुके हैं। वहीं दिलीप मिस्त्री को पार्टनरशिप में 6 नग हीरे मिल चुके हैं।

ये चार हैं साझेदार: दरअसल पन्ना नगर के समीप ग्राम जरुआपुर की उथली हीरा खदान में हीरा खनन के लिए दिलीप मिस्त्री नाम के किसान 26 फरवरी 2024 को हीरा कार्यालय पन्ना से 200 रुपए की रशीद कटवाकर पट्टा बनवाया था।

इसमें दिलीप मिस्त्री, पिता गुरुपद मिस्त्री (52), प्रकाश पिता कृष्णकांत मजूमदार (43), भरत मजूमदार पिता विष्णु मजूमदार (32), संतु यादव पिता पन्नालाल यादव (50) पार्टनर थे।सभी ने मिलकर खदान में खुद और मजदूरों के साथ 5 महीने कड़ी मेहनत की। जिसके फलस्वरूप किसानों को अगस्त माह में 16.10 कैरेट का बेशकीमती हीरा मिला है।

नीलामी के लिए जमा कराया: हीरा पाने के बाद सभी किसान मंगलवार को हीरा कार्यालय पहुंचे और हीरा जमा करा दिया है। जहां हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि उक्त हीरे का वजन 16.10 कैरेट है। उक्त हीरा उज्जवल किस्म का है। जिसे आने वाली हीरा नीलामी में रखा जाएगा।

2020 से जारी है हीरा खोजने का काम: पट्टा धारक दिलीप मिस्त्री ने बताया कि हम सभी पार्टनर मध्यमवर्गीय किसान हैं। किसी के पास दो तो किसी के पास तीन एकड़ जमीन है। जिसमें खेती कर अपने परिवार का भरणपोषण करते थे।लेकिन 2020 से हीरा खनन का काम जरुआपुर की निजी भूमि में पट्टा बनवाकर कर रहे हैं। भगवान की कृपा ऐसी रही कि अब तक 6 नग हीरे मिल चुके है।

जिसमें यह 16.10 कैरेट का सबसे बड़ा हीरा मिला है। इसके पहले प्रकाश मजूमदार के साथ 6.65 वर्ष 2021, 7.44 वर्ष 2021, 14.21 वर्ष 2022, 3.85 वर्ष 2023 में हीरा मिल चुके हैं। अब यह हीरा मिलने के बाद हम पार्टनरों में बहुत ज्यादा खुशी है। हीरा नीलाम होने के बाद सभी चार साथी आपस में पैसा बांट लेंगे और अपनी खेती और बच्चों की पढ़ाई में पैसा लगाएंगे।

सरपंच को अब तक मिले 15 हीरे: पार्टनर और वर्तमान मनौर पंचायत के सरपंच प्रकाश मजूमदार ने बताया कि 10 वर्ष से हीरा खदान लगाने का काम अलग-अलग पार्टनरों के साथ करते चले आ रहे हैं। अब तक छोटे बड़े मिलाकर कुल 15 नग हीरे मिल चुके हैं।

पंचायत की जिम्मेदारी के साथ हीरा खदान का काम भी कर रहे हैं। 10 वर्ष पहले परिवार की बहुत दयनीय स्थिति थी। लेकिन अब हमारे साथ-साथ सभी साथियों के परिवार की स्थिति अच्छी हो गई है।

सावन के पावन महीने में राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान में दिव्यांग बच्चों द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। शनिवार को राष्ट्रीय न्यास (नेशनल ट्रस्ट) एवं भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार से पंजीकृत संस्थान राज रानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान छत्रपति नगर रीवा में राजरानी सेवा संस्थान एवं मुस्कान फाउंडेशन के सामूहिक तत्वाधान में सामूहिक हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया, विदित हो कि राजरानी सेवा संस्थान दिव्यांगजनों की सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध संस्थान है जिसमें दिव्यांग जनों के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के लिए कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है मुस्कान फाउंडेशन एवं राजरानी सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हनुमान चालीसा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ममता नरेंद्र सिंह जी अतुल श्रीवास्तव जी एवं प्रगति श्रीवास्तव कोमल मोटवानी दीपाली सिंह पूनम मिश्रा अमृता मिश्रा राखी पांडे नम्रता मिश्रा डॉ.विकास श्रीवास्तव की सहभागिता रही राजरानी सेवा संस्थान से संस्थापिका रानी सिंह जी अजय सिंह जी संजय सिंह संचालक, दीप्ति सिंह डॉ.बालेन्द्र सागर फिजियो,विशेष शिक्षिका नीता रजक, शिक्षिका साधना पांडे एवं पूनम मिश्रा निर्मला सिंह युवराज सिंह तरन्नुम निशा राजेश सिंह एवं संस्था में पंजीकृत दिव्यांग बच्चों एवं अन्य गणमान्य जन की उपस्थित रही।

विचार

गहलोत की पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त...!

राजनीति में वैसे तो चर्चाओं का कोई खास मोल नहीं होता। क्योंकि चालाक लोगों द्वारा चर्चाएं चलाई ही इसलिए जाती हैं कि चर्चित व्यक्ति को चकित करने के चौबारे तलाशे जा सकें। उसकी राह में कांटे बिछाए जा सके और फिर तकदीर के तिराहे से सीधे सियासत की संकरी अंधेरी गलियों में आसानी से धकेल दिया जाए। लेकिन व्यक्तित्व अगर विराट हो, कद औरों के मुकाबले कई गुना ज्यादा ऊंचा हो और सियासत के सभी पहलुओं में प्रतिभा अगर प्रामाणिक हो, तो उसके बारे में सुनी सुनाई पर भी लोग भरोसा करने लग जाते हैं। अशोक गहलोत इसीलिए इन दिनों कुछ ज्यादा ही चर्चा में हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बारे में कहा जाता है कि वे जब कुछ नहीं कर रहे होते हैं, असल में तभी वे बहुत कुछ कर रहे होते हैं। क्योंकि गहलोत जानते हैं कि शांतिकाल ही क्रांतिकाल से निपटने की तैयारियों का असली वक्त होता है। इन दिनों भी वे सियासत के समंदर में भविष्य उठने वाली लहरों की लपलपाहट को नाप रहे हैं, और जान रहे हैं कि लहरें कितनी भी लपलपाती रहे, उनकी नियति तो आखिर समंदर में समाना ही है। राजनीति के गलियारों में सवाल हैं कि राजस्थान में बीजेपी और कांग्रेस दोनों की राजनीति में सचिन पायलट की सियासी सक्रियता के कम होने के मायने क्या है? और पायलट समर्थक बहुत छोटे से नेता अभिमन्यू पूनिया और गहलोत की राजनीतिक पौधशाला में पुष्पित पल्लवित हरीश चौधरी आखिर बेनामी हमले किस की शह पर कर रहे हैं। खिलाड़ीलाल बैरवा जैसे जनाधार विहीन लोगों की बकवास को किसकी शह है, यह भी जानना जरूरी है। वह भी ऐसे वक्त में, जब पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' का अध्यक्ष बनाए जा सकने की चर्चाएं है। क्योंकि, मल्लिकार्जुन खड़गे तो खैर बहुत बाद में, राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पिक्चर में आए, लेकिन कांग्रेस में गांधी परिवार के बाद निर्विवाद रूप से गहलोत ही सबसे अनुभवी और विपक्षियों में सबके साथ संबंध निभाने वाले विश्वसनीय नेता माने जाते हैं। राजनीतिक विश्लेषक अरविंद चोटिया कहते हैं कि राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद डोटासरा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, और हाल ही में नियुक्त उप नेता रामकेश मीणा व मुख्य सचेतक रफीक खान सभी तो गहलोत समर्थक ही हैं। मतलब, गहलोत राजनीतिक रूप से आलाकमान के सबसे करीब हैं। गहलोत 'आखरी सांस तक राजस्थान की सेवा' करने की बात कहते रहे हैं। मगर, उनकी टक्कर में आने के लिए यही बात सचिन पायलट भी तो कह चुके हैं कि वे किसी पद पर रहें या न रहें, अंतिम सांस तक राजस्थान की जनता की सेवा करते रहेंगे। राजस्थान में इन दो ताकतवर नेताओं के अलावा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी अपनी ताकत के तेवर दिखाते रहे हैं। उनके कार्यकाल में लोकसभा चुनाव में राजस्थान में कांग्रेस की ताकत जबरदस्त बढ़ी है और उस दौर में गहलोत पूरे चुनाव राजस्थान में ही जमे रहे। डोटासरा और गहलोत पार्टी जीत सकने वालों को हर हाल में जिताने की जुगत में जुटे रहे। मगर पायलट भले ही राजस्थान की सेवा का वादा करें

शिव भक्त कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए अलग कांवड़ यात्रा मार्ग समय की मांग

दीपक कुमार त्यागी

वैसे भी देश व प्रदेश के नीति निर्माताओं को यह सोचना चाहिए कि दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म %सनातन धर्म% के करोड़ों अनुयायियों को हर वर्ष आने वाले श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। हालांकि बड़ी कांवड़ यात्रा वर्ष में दो बार पावन पर्व शिवरात्रि व महाशिवरात्रि पर हर वर्ष चलती है। देश में हर वर्ष आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान वर्ष दर वर्ष शिव भक्त कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा करना अब तो पुलिस-प्रशासन के लिए एक बेहद ही जटिल कार्य बनता जा रहा है।

हालांकि शिव भक्तों को सबसे ज्यादा ख़तरा कांवड़ियों के भेष में उनके बीच ही छिपकर बैठे हुए कुछ हुड़दंगियों व कुछ आपराधिक सोच वाले लोगों से है, क्योंकि इस तरह के चंद लोगों की देवाधिदेव भगवान महादेव के प्रति कोई आस्था श्रद्धा विश्वास नहीं होता है, बल्कि इन चंद लोगों का उद्देश्य तो केवल माहौल खराब के कांवड़ियों व आम जनमानस के जान-माल की सुरक्षा को ख़तरे में डालते हुए, अपना हित साधने का होता है। उन लोगों का उद्देश्य होता है कि शांतिपूर्ण ढंग से चल रही कांवड़ यात्रा में हंगामा करके समाज का माहौल खराब करके पूजनीय शिव भक्त कांवड़ियों के प्रति आम जनमानस के बीच नफ़रत के बीज बोएं। इसलिए ही यह चंद लोग देवाधिदेव भगवान शिवशंकर के सिद्धांतों पर अमल ना करके भूल से भी जरा सी कोई घटना हो जाने पर ही, उस व्यक्ति को माफ़ ना करके मारपीट करने, तोड़फोड़ व लोगों की जान लेने तक पर उतारू हो जाते हैं और सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि हर वर्ष ऐसे घटनाओं में अब बढ़ोतरी होती जा रही है। वैसे अगर हम पिछले कुछ वर्षों की घटनाओं पर ध्यान दें तो देश के विभिन्न हिस्सों से कांवड़ियों के भेष में आने वाले कुछ हुड़दंगियों का उद्देश्य ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करने का ही होता है। जो जहरीली मंशा इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन व शिव भक्त कांवड़ियों की सतर्कता के चलते व भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से हर वर्ष विफल हो जाती है। वैसे भी देश व प्रदेश के नीति निर्माताओं को यह सोचना चाहिए कि दुनिया के सबसे प्राचीन धर्म %सनातन धर्म% के करोड़ों अनुयायियों को हर वर्ष आने वाले श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। हालांकि बड़ी कांवड़ यात्रा वर्ष में दो बार पावन पर्व शिवरात्रि व महाशिवरात्रि पर हर वर्ष चलती है। लेकिन श्रावण मास भगवान शिव का अतिप्रिय होने के चलते भगवान भोलेनाथ के भक्त भक्ति भाव से ओत-प्रोत होकर के श्रावण मास में कांवड़ लेने अधिक संख्या में जाते हैं, यह स्थिति कांवड़ लाने वाले देश के हर क्षेत्र में रहती है। विशेषकर उत्तराखंड व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तो पवित्र श्रावण मास में करोड़ों की संख्या में शिव भक्त कांवड़िए सैंकड़ों किलोमीटर की पैदल यात्रा करके कांवड़ लाकर के भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। इस उद्देश्य से ही देश के विभिन्न हिस्सों में सनातन धर्म के करोड़ों अनुयाई देवाधिदेव भगवान महादेव के अतिप्रिय माह श्रावण मास के शुरू होते ही शिव भक्त कांवड़ लेकर अपने आराध्य भगवान शिव का जलाभिषेक करने निकल पड़ते हैं। इस दौरान उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के बहुत सारे जिलों से रोज़ाना लाखों की संख्या में गुजरने वाली कांवड़ियों की सुरक्षा करना पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। उत्तराखंड के गोमुख से लेकर के ऋषिकेश, हरिद्वार व उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, गाजियाबाद आदि में यूपी, दिल्ली हरियाणा, पंजाब व राजस्थान आदि राज्यों के कांवड़ियों को व्यस्त सड़क पर जल ले जाते समय सुरक्षा देने में इन राज्यों के पुलिस-प्रशासन को संसाधनों की पूरी ताकत झोंकनी पड़ती है और अगर जरा सी भी कोई घटना यात्रा मार्ग में घटित हो जाये तो सिस्टम व आम जनमानस दोनों के हाथ-पांव बुरी तरह से फूल जाते हैं। अलग-अलग राज्यों से रोज़ाना लाखों की संख्या में गंगाजल लेने के लिए पहुंच रहे पैदल व डाक कांवड़ियों की भारी भरकम भीड़ को देखते हुए ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की बहुत सारी सड़कों, हाईवे आदि पर चलने वाले भारी वाहनों के ट्रैफिक को पूरी तरह से रोकर के डायवर्ट करना पड़ता है। वहीं लोकल के हल्के वाहनों के लिए भी एक लेन आने व एक लेन जाने की बनाकर ट्रैफिक का संचालन करना पड़ता है। जो स्थिति चौबिसों घंटे खड़े होकर के ड्यूटी देने वाले पुलिस-प्रशासन व उस क्षेत्र के आम जनमानस के लिए तो बेहद चुनौतीपूर्ण होती ही है। साथ ही वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ते हुए हल्के वाहनों की संख्या के चलते कांवड़ यात्रा के दौरान वाहन दुर्घटनाओं में भी तेजी से इजाफा हो रहा है, जो कि शिव भक्त कांवड़ियों के साथ-साथ अन्य लोगों के जीवन को असमय लीलने का कारण बन रही है और कांवड़ यात्रा के दौरान आये दिन दंगा-फसाद होने का कारण भी बनने लगी है। वैसे भी आज देश के हर व्यक्ति के हाथ में मोबाइल फोन होने के चलते कुछ लोगों की नासमझी से सोशल मीडिया पर एक ऐसा दौर चल रहा है जब एक छोटी सी बात का बतंगड़ चंद मिनटों में ही जाति-धर्म की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले कुछ नेताओं व कुछ लोगों की कृपा से बन जाता है। इसलिए यह अब समय की मांग है कि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड राज्य के हित में हर वर्ष होने वाली इस अद्भुत पावन कांवड़ यात्रा को शांति पूर्वक पूरे भक्तिपूर्ण व शिवमय माहौल में संपन्न करवाने के लिए कांवड़ लाने वाले भक्तों के लिए एक अलग कांवड़ यात्रा मार्ग को धरातल पर जल्द से जल्द मूर्त रूप देकर के भगवान शिव के भक्त कांवड़ियों की सुरक्षा को ओर मजबूत किया जाए।

हसीना का निष्कासन

भले ही प्रथम दृष्टया, बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन की वजह आरक्षण विरोधी आंदोलन से उपजा आक्रोश बताया जा रहा हो, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह बनना बड़ा कारण रहा। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश को हल्के में लिया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हालांकि, पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। दरअसल, महज सात माह पहले हुए आम चुनावों के बाद से ही देश में जनाक्रोश धीरे-धीरे बढ़ने लगा था। दक्षिणपंथी रुझान वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी और अन्य राजनीतिक दलों ने आम चुनावों का बहिष्कार किया था। हालांकि,शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर-तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। वास्तव में शेख हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया। हालांकि, लगातार चौथी बार सरकार बनाने वाली शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे।

यूपी के माननीय क्यों नहीं चाहते हैं अंग्रेजों के बनाये नजूल भूमि कानून में बदलाव

अजय कुमार

देश का कोई भी हिस्सा या राज्य हो वहां पड़ी नजूल की जमीन की स्थिति ठीक वैसी ही होती है जैसे किसी एक बच्चे के कई बाप का होना। नजूल की जमीन(सरल शब्दों में सरकारी जमीन) को सब अपनी बपौती समझते हैं। गरीब जनता की तो इतनी हिम्मत नहीं होती है कि वह सरकारी जमीन पर कब्जा कर सके,लेकिन ताकतवर लोगों जिसमें नेताओं से लेकर बड़े-बड़े अधिकारी और बिल्डर आदि शामिल होते हैं, के लिये यह जमीन सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित होती है। नजूल की जमीन पर कब्जा करने का सबसे आसान तरीका है उसे लीज पर हासिल कर लेना, क्योंकि जमीन का कोई मालिक नहीं होता है इसलिये सरकारी कुर्सी पर बैठे अधिकारी और बाबू ही इसके 'मालिक' बन जाते हैं। वह सेटिंग के सहारे नजूल की जमीन का 'सौदा' कर देते हैं। इसी लिये जब नजूल भूमि कानून विधान सभा से पास होने के बाद मंजूरी के लिये विधान परिषद पहुंचा तो वहां करीब-करीब समी दलों के माननीयों ने एकजुट होकर इसे 'ठंडे बस्ते' में डाल दिया। यानी माननीय नहीं चाहते हैं कि नजूल जमीन के लिये कोई ऐसा नया कानून बनें जिसके चलते नजूल की जमीन को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने का खेल बंद हो जाये।इस कानून को लेकर सत्ता पक्ष में मनमुटाव की खबरें आने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तो योगी सरकार को चुनौती तक दे दी वह नजूल जमीन पर नया कानून बना ही नहीं सकते हैं। वैसे विरोध समाजवादी पार्टी की तरफ से भी कम नहीं हुआ था। दरअसल, 31 जुलाई को यूपी विधानसभा में भारी हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) विधेयक, 2024 पारित किया गया

था। इसके बाद जब पहली अगस्त को यह विधेयक विधान परिषद में आया तो इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया। सबसे खास बात यह रही कि इस विधेयक का समाजवादी पार्टी के नेताओं के अलावा भाजपा के कई नेताओं ने विरोध किया है। वहीं एनडीए में भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी ने इससे असहमति जताई है। विधेयक के अनुसार, कानून लागू होने के बाद किसी भी नजूल भूमि को किसी निजी व्यक्ति या निजी संस्था के पक्ष में पूरा मालिकाना हक हस्तांतरित करने पर रोक लग जाती। इसके बजाय, नजूल भूमि का इस्तेमाल सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए किया जाता। विधेयक में प्रस्ताव किया गया था कि नजूल भूमि को निजी व्यक्तियों या संस्थाओं को हस्तांतरित करने के लिए कोई भी अदालती कार्यवाही या आवेदन रद्द कर दिया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ये भूमि सरकारी नियंत्रण में रहे।कुल मिलाकर विधेयक का उद्देश्य नजूल भूमि प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और अनधिकृत निजीकरण को रोकना बताया गया है।बता दें उत्तर प्रदेश में लम्बे समय से नजूल की बेशकीमती जमीनों को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने का खेल चल रहा है। लगभग दो लाख करोड़ रुपये की इन सरकारी जमीनों को सर्किल रेट का केवल 10 फीसदी देकर फ्री होल्ड कराने की जद्दोजहद की जा रही है। इन जमीनों को निजी हाथों में जाने से बचाने के लिए लाया गया योगी सरकार का उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति-2024 विधेयक विधान परिषद में अटक गया,तो इससे कई ताकतवर लोगों ने राहत की सांस ली। गौरतलब हो उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार हेक्टेयर जमीन नजूल की है,जिसमें से कम से कम चार हजार एकड़ जमीन फ्री होल्ड कराई जा चुकी है और अब नजूल जमीनों के मालिकाना हक को लेकर 312 केस हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चल रहे हैं। करीब 2500 केस पाइप लाइन में हैं। इनसे जुड़ी जमीनों की कीमत लगभग दो लाख करोड़ रुपये है। ये जमीनें सबसे ज्यादा प्रयागराज, कानपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, गोंडा, बाराबंकी आदि में हैं। नजूल की जमीनों को फ्री होल्ड कराने का केंद्र प्रयागराज है। यहां लगभग पूरा सिविल लाइंस नजूल की जमीन पर है। एक-एक बंगला 100 से 250 करोड़ रुपये का है।इसी के चलते प्रयागराज निवासी और डिप्टी सीएम चाहते थे कि यह कानून पास हो जाये,लेकिन उन्हीं की पार्टी वालों ने इसका पलीता लगा दिया। नजूल की जमीन के लिये कैसे खेल होता है,उसकी पूरी बानगी समझने के लिये बता दें कि किसी नजूल जमीन की कीमत सर्किल रेट के हिसाब से 50 करोड़ रुपये है तो इस जमीन का बाजार भाव 100 करोड़ होगा। लेकिन मौजूदा नजूल जमीन कानून के तहत इसे सर्किल रेट का केवल 10 फीसदी देकर फ्री होल्ड कराया जा रहा है। यानि वह व्यक्ति केवल पांच करोड़ रुपये में 100 करोड़ रुपये की जमीन का मालिक बन जाता है। जबकि खास बात यह है कि नजूल एक्ट में फ्री होल्ड का प्रावधान ही नहीं है, लेकिन अब तक कम से कम 25 फीसदी नजूल की जमीन को इस तरीके से फ्री होल्ड कराया जा चुका है। नजूल की जमीन है क्या, यह इस तरह से समझा जा सकता है आजादी से पहले अंग्रेजी हुकूमत ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लगान चुका पाने में विफल लोगों की जमीनों को छीन लिया था। इसके बाद 1895 में गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट के तहत ये जमीनें मामूली किराये पर अंग्रेजों ने लीज पर दे दीं। इनकी लीज अवधि 90 वर्ष तक थी। लीज पर दी गई इन जमीनों पर सरकार का मालिकाना हक कभी खत्म नहीं होता था। ऐसी जमीनों को फ्री होल्ड से रोकने के लिए प्रदेश सरकार नजूल एक्ट लाई है। सरकार इस एक्ट के जरिए नजूल की जमीन को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने के खेल पर रोक लगाना चाहती है। प्रस्तावित एक्ट के मुताबिक नजूल की जमीनों पर जो लोग रह रहे हैं, उन्हें नहीं छेड़ा जाना था तो वहीं गरीब और कमजोर लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था की भी बात कही गई थी। यानी उन्हें हटाया भी नहीं जाएगा। केवल बची जगह पर पार्किंग, पार्क, सरकारी संस्थान, सरकारी शिक्षण संस्थान, पीएम आवास योजना या अन्य सार्वजनिक उपयोग में लाने का प्रावधान किया गया था। वहीं नजूल जमीन पर बसे बाजारों को बेहतर बनाने का प्रावधान था। नजूल एक्ट को देश के शीर्ष कानूनी विशेषज्ञों की राय से तैयार किया गया है। खैर, यह समझ लेना भी जरूरी है कि नजूल की जमीन को लेकर स्वतंत्र भारत के आजतक कोई नजूल एक्ट वजूद में ही नहीं था। मानसून सत्र में पहली बार यूपी में नजूल की जमीनों को लेकर विधेयक लाया गया। 1895 में ब्रिटिश सरकार गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट लाई थी, जिसके तहत जमीन लीज पर देने का प्रावधान किया गया था। उस समय शहरों की तुलना में कृषि जमीनों की कीमत ज्यादा थी, इसलिए शहरी जमीनों के बड़े-बड़े टुकड़े अंग्रेजों ने लीज के रूप में दे दिए थे। आज हालात बदल गए हैं। वर्ष 2020 में इसी एक्ट को दोबारा पास कर दिया गया था। गवर्नमेंट ग्रांड एक्ट में ऑटोमेटिक रिन्यूवल का प्रावधान है, लेकिन उसमें रहने वाला जमीन का मालिक नहीं हो सकता।

छत्तीसगढ़ में मिला 3 साल के बच्चे का कटा सिर

तीन दिन पहले घर से हुआ था लापता, तेंदुए के फुट प्रिंट मिले,शिकार की आशंका

मीडिया ऑडीटर, धमतरी एजेंसी। धमतरी जिले में तीन साल के बच्चे का कटा हुआ सिर मिला है। सिर घर से थोड़ी दूर झाड़ियों में मिला, जिसे बच्चे के माता-पिता ने पहचान लिया है। सिहावा पुलिस ने पंचनामा कर सिर के अवशेष को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही शरीर के बाकी अंगों की तलाश की जा रही है। इससे पहले घर की बाड़ी में कुछ बॉडी पार्ट्स मिले थे। घटना सिहावा थाना क्षेत्र के कोरमूड गांव का है।

वहीं, तेंदुए के फुट प्रिंट मिलने से आंशका है कि तेंदुए ने बच्चे का शिकार किया होगा। बच्चे का नाम ऋतिक मरकाम है। पिता योगेश्वर मरकाम ने बताया कि घटना 4 अगस्त शाम की है।

परिवार के लोग धूमधाम से हरेली त्योहार मना रहे थे। सुबह से शाम तक बच्चों ने गेड़ी चढ़कर दौड़ लगाई। छत्तीसगढ़ी व्यंजन बने थे। सभी ने साथ बैठकर खाया, इस बीच बच्चा हाथ धुलने गया था, तभी गायब हुआ।

हर जगह तलाश की, बच्चा नहीं मिल रहा था: योगेश्वर मरकाम ने बताया कि घर की बाड़ी, खेत-खलिहान, तालाब, कुएं सभी जगह हम लोगों ने बच्चे की तलाश की, लेकिन वह कहीं नहीं मिल रहा था। गांव और पड़ोसियों समेत रिश्तेदारों से भी जानकारी ली गई। अब तीन दिन बाद उसका कटा सिर मिला है।

बाड़ी में मिले तेंदुए के फुट प्रिंट: परिजन ने बताया कि बाड़ी में तेंदुए के फुट प्रिंट मिले हैं, जिससे पूरा गांव सहमा हुआ है। बच्चे का शिकार करने की आशंका है। हो सकता है कि तेंदुआ उसे उठाकर ले गया हो। मामले की जानकारी मिलनके बाद पुलिस और वन विभाग की टीम भी बच्चे के बाकी पार्ट्स की तलाश कर रही है।

तेंदुए के शिकार के साथ बाकी एंगल पर भी जांच: पुलिस अफसरों ने बताया कि ऋतिक मरकाम के पिता योगेश्वर मरकाम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बाड़ी में तेंदुए के पैरों के निशान मिलने के साथ ही बाकी एंगल पर भी हमारी टीम काम कर है। पुलिस और वन विभाग की टीम को घर से कुछ दूरी पर झाड़ियों में सिर के साथ ही शरीर के टुकड़े मिले हैं।

धमतरी में तेंदुए की एंट्री से दहशत: धमतरी जिले में तेंदुए की एंट्री से इलाके में दहशत में हैं। सोमवार को उदंती क्षेत्र में तेंदुआ रस्सी में फंस गया था, जहां से कड़ी मशक्कत के बाद उसे निकाला गया। इस दौरान भागते वक्त एक मीडियाकर्मी पर उसने अटैक भी कर दिया था, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पालक शिक्षक मेगा बैठक में बच्चों विकास के लिए 12 बिंदुओं की गयी चर्चा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश पर आज जिले के सभी संकुल केंद्रों में संकुल स्तरीय पालक शिक्षक मेगा का आयोजन किया गया है। पालक शिक्षक मेगा बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की संपूर्ण गतिविधियों से पालकों को अवगत कराना और बच्चों को प्रेरणा व उचित मार्गदर्शन प्रदान करना, पालकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने, उन्हें बच्चों की प्रगति से अवगत कराने तथा बच्चों में भविष्य की संभावनाओं को तलासने के उद्देश्य से पालक शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन किया गया।

विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत पसौरी संकुल केंद्र पसौरी में संकुल स्तरीय पालक-शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन किया गया। मेगा बैठक में मंडल संजयोक संजय श्रीवास्तव का निरीक्षणकर्ता के रूप में आगमन हुआ। बैठक में जनप्रतिनिधि मण्डल उपाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा एवं माध्यमिक शाला पसौरी के एस.एम.सी. के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह भी शामिल हुये। 16 स्कूलों से आये हुये शिक्षक, पालक व बच्चों का स्वागत किया गया एवं 12 बिंदुओं पर बारी-बारी शिक्षकों के द्वारा चर्चा किया गया। पालक शिक्षक मेगा बैठक के सफल सम्पादन को लेकर महत्वपूर्ण 12 बिंदु जिसके अंतर्गत मेरा कोना, छात्र दिनचर्या, बच्चे ने आज क्या सीखा, बच्चा बोलेगा बेझिझक, बच्चों की अकादमिक प्रगति एवं परीक्षा पर चर्चा, पुस्तक की उपलब्धता सुनिश्चित करना, बस्ता रहित शनिवार, विद्यार्थियों के आयु व कक्षा अनुरूप स्वास्थ्य परीक्षण एवं पोषण की जानकारी, जाति-आय निवास प्रमाण पत्र, न्योता भोज, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्ति एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी पर चर्चा, विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से शिक्षा हेतु पालकों एवं छात्रों को अवगत कराना जैसे बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर जनदर्शन में 13 आवेदन हुए प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी.राहुल वेंकट के निर्देशानुसार में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में आवेदिक शाहीना फिरदौस निवासी मनेंद्रगढ़ ने मानव अधिकार की रक्षा के संबंध में, चंद्रकला साहू, अमीता, बिजराज एवं समस्त वार्ड नम्बर 15 निवासी मनेंद्रगढ़ ने नल कनेक्शन व्दारा जल का सप्लाई नियमित रूप से किए जाने के सम्बन्ध में, अरुण कुमार सिंह निवासी भरतपुर निर्वाचन मतदाता परिचय पत्र निर्माण कार्य का भुगतान के संबंध में, दया जैन निवासी मनेंद्रगढ़ 14 अगस्त 2024 से आमरण अनशन के संबंध में, रमा शंकर गुप्ता निवासी मनेंद्रगढ़ पूर्व में कलेक्टर व्दारा प्रस्तुत आवेदन पत्र क्रमांक 857/नक्शा/125/2021 का छायाप्रति संलग्न पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में, सचिन साहू निवासी मनेंद्रगढ़ मेरी माता जी की पेंशन प्रक्रिया अभी तक पूर्ण न होने के संबंध में, हीरा सिंह निवासी कोथारी भूमि के संबंध में, राम सिंह निवासी खड़गवां ऑनलाइन रिकार्ड दुरुस्त करने के संबंध में, सीमा निवासी चिरमिरी लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के संबंध में, बाबूलाल निवासी चौनपुर पुलिस द्वारा जबरन डरा धमका कर कोरे कार्बन लगे कागज पर हस्ताक्षर कराने के संबंध में, केवल सिंह मरकाम निवासी साल्ही भूमि के संबंध में, सुनीता यादव निवासी साजा पहाड़ छात्रावास में प्रवेश लेने के बाद तकरीबन एक माह बाद छात्रों को सीट खाली नहीं है कह कर निकाल देने के संबंध में एवं समस्त सब्जी मंडी विक्रेता निवासी मनेंद्रगढ़ सब्जी विक्रेताओं को स्थाई रूप से सब्जी मंडी में स्थान देने के संबंध में शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

खड़गवां पत्रकार संघ का शपथ समारोह हुआ संपन्न

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। बीते दिन रविवार को चिरमिरी के एस ई सी एल जीएम कॉम्प्लेक्स तानसेन भवन में आयोजित शपथ समारोह की शुरुआत अतिथियों को ससम्मान मंच पर स्थान देकर की किया गया इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती के छायाचित्र में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम आरम्भ हुआ। अगली कड़ी में चिरिमिरी खड़गवां के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित कर स्वागत सत्कार की प्रक्रिया शुरू हुई। स्वागत की कड़ी में मंचासीन अतिथि, शपथ समारोह प्रभारी पूर्व न्यायाधीश व्यंकटेश सिंह, विशिष्ठ अतिथि पुलीस अधीक्षक डॉ चंद्रमोहन सिंह एमसीबी, विशिष्ठ अतिथि डॉ तिवारी, सीएमएचओ एमसीबी और कार्यक्रम अध्यक्ष श्री द्रोणाचार्य दुबे संपादक डीडी समाचार का पुष्प गुच्छ व साल भेट कर सम्मानित किया गया। उद्बोधन से पूर्व नव निर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष के रूप में राजेश उपाध्याय, महासचिव नियाज़ अली, सचिव आलोक बरवा,कोषाध्यक्ष शिवशंभु, उपाध्यक्ष संतोष जायसवाल, संगठन मंत्री वेदप्रकाश तिवारी को शपथ दिलवाया गया। मंचासीन में पूर्व अध्यक्ष श्रीपत राय, ए बी सिद्दकी, संदीप सोनवानी की उपस्तिथि बनी रहीं।

पूर्व न्यायाधीश व्यंकटेश सिंह ने कहा कि पत्रकार का काम ही है कि असली व गलती तत्वों को जनता जनार्दन, शासन प्रशासन तक प्रस्तुत करना लेकिन पूर्ण कोशिश करें कि पहले हर घटना को जान समझ लें जो भी उसके तत्व की सत्यता को जाने उसके बाद समाचार को प्रकाशित करें। पहले समय में तो यह होता था जब हमारा प्रिंट मीडिया था एक सीमित समय था खबर लिखने के बाद दूसरे दिन हमें समाचार पढ़ने को मिलते थे लेकिन आजकल का समय ऐसा आ गया है कि जब से इंटरनेट की व्यवस्था तथा अधिकांश रिपोर्टर हो गए हैं कि न्यूज़ को पलभर में खबर डाल दी जाती है और उसका विच भी इतना हो गया है कि लोगों को हर मिनट में किस जगह क्या हो रहा है इसकी खबर तुरंत मिल जाती है।

पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह एम सी बी ने कहा कि पत्रकार हमेशा गवर्नमेंट में है या प्रशासन में है और दूसरी साइड जो पब्लिक में आप एक कनेक्टिंग लिंक साबित करते हैं वह संपर्क स्थापित आप लोग करते हैं सरकार सही काम कर रही है सरकार गलत काम कर रही है अधिकारी सही काम कर रहा है कैसा काम कर रहा है सरकार की नीतियां कैसी है सरकार की जो नीतियां बनाई गई है वह जमीन पर कारगर सिद्ध हो रही है कि नहीं हो रही है उसे पब्लिक को कितना लाभ हो रहा है वह कंप्लीट पिक्चर आप जैसे पत्रकार प्रस्तुत करते है कहने का मतलब आप सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं किसी का भी सरकारों का कैरियर भी बना सकते हो और बिगाड़ भी सकते हो।आपके पास बहुत बड़ी शक्ति है चुकी आप चौथे स्तंभ है जब ऐसी शक्ति है जिम्मेदारी भी बहुत बड़ी है जैसा कि हमारे अभी डॉक्टर सुरेश तिवारी साहब ने बताया ब्रेकिंग न्यूज़ मेरा अपना पर्सनल ओपिनियन है कि जो आपके साथ कंपल्शन है इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए आप सन 90 में चले जाइए उस समय मात्र दो चैनल हुआ करते थे दूरदर्शन का डीडी1 और डीडी2 इसके अलावा सन 95 में सेटेलाइट चैनल आने लगे जिसमे कि जी न्यूज चैनल सबसे पहले आया आज तक सन 2000 के बाद आया। 2000 से ही चालू हुआ उस समय आज तक डीडी2 पर आता था रात को 10:00 बजे आज तक के प्रोग्राम अलग चैनल उत्सव में नहीं था।

युवक पर फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

आपसी रंजिश के कारण किया हमला, वारदात के बाद भाई के घर छिपा था

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में बदमाश ने एयर गन से फायरिंग कर युवक को घायल कर दिया था। पुलिस ने आरोपी पिंटू थवाईत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एयर गन और गोली बरामद की है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है।

परशुराम चौक के पास राम कुमार देवांगन पर पुरानी रंजिश के चलते पिंटू थवाईत ने एयर गन से हमला कर दिया था। घायल का इलाज जारी है।

दुकान के सामने की फायरिंग: जानकारी के अनुसार 4 अगस्त की शाम 5.30 बजे राम कुमार देवांगन अपने साथी के साथ पास के ठेले में आमलेट खाने गया हुआ था। आरोपी पिंटू थवाईत ने राम कुमार देवांगन को भाग जाने की बात कही। नहीं तो जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा: राम कुमार नहीं गया तो आरोपी ने छिपाकर रखी एयर गन निकाली और फायरिंग कर दी। एक छर्रा कान से होकर निकला और दूसरा छर्रा पेट में लगा। वारदात के बाद आरोपी पिंटू थवाईत अपने भाई के घर छिपा हुआ था। आरोपी को पुलिस की टीम ने दबिश देकर पकड़ा।

शराब दुकान के मैनेजर पर जानलेवा हमला

बदमाशों ने चाकू से गोदा, हालत गंभीर, घर लौटते समय हुई वारदात

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई के सुपेला थाना क्षेत्र में आकाश गंगा प्रीमियम वाइन शॉप के मैनेजर पर जानलेवा हमला हुआ है। मैनेजर की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल का इलाज दुर्ग जिला अस्पताल में चल रहा है। सुपेला पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुपेला पुलिस थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने बताया कि उमेश कुमार आकाश गंगा सुपेला स्थित प्रीमियम शराब दुकान का मैनेजर है। वह कृष्णा नगर में रहता है। बीते 4 अगस्त की रात 10 बजे दुकान बंद करके उसने कैश मिलान किया। उसके बाद देर रात करीब एक बजे अपनी बाइक से घर जाने के लिए निकला था। जैसे ही वो गणेश मार्केट के पहुंचा तीन लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया।

गाड़ी रोकते ही उन लोगों ने उससे गाली गलौज शुरू कर दी। जब उमेश ने उनका विरोध किया तो उन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद एक लड़के ने चाकू निकालकर उसके पेट में चाकू गोद दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग गए। इसके बाद उमेश ने फोन करके अपने साथी को घटना की जानकारी दी। फिर डायल 112 में फोन किया गया और मैनेजर को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सुपेला पुलिस मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। खबर लिखे जाने तक आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

शराब के नशे में था मैनेजर: सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शराब दुकान के मैनेजर ने काफी शराब पी हुई थी। वह शराब के नशे में घर जा रहा था। पुलिस को ऐसी आशंका है कि नशे की हालत में उसने आरोपियों से झगड़ा किया होगा, जिससे उन्होंने उसपर चाकू से हमला किया।

जिले में अब तक 582.8 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी -भरतपुर जिले में 01 जून से 06 अगस्त तक 582.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 693.5 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 440.4 मिमी कोटाडोल तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील केल्हारी में 639.9 मिमी, तहसील चिरमिरी में 612.6 मिमी, तहसील खड़गवां में 513.8 मिमी, तहसील भरतपुर में 596.8 मिमी तथा तहसील कोटाडोल में 440.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

खुद के कपड़े उतारे...युवतियों से आरोपी बोला-रेप कर दूंगा

मां-बेटे ने 2 बहनों को पीटा, पेट और सिर में आई चोंटे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मां-बेटे ने पड़ोस में रहने वाली 2 बहनों से गाली-गलौज और जमकर मारपीट की है, जिससे युवतियों के पेट, सिर और हाथों में चोटें आई है। युवतियों ने बताया कि आरोपी ने अपनी मां के सामने ही कपड़े फाड़कर रेप करने की धमकी दे रहा था। पूरा मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

पीड़ित युवती ने टिकरापारा थाने में सोमवार शाम परिवारह्रू दर्ज कराई है। वह संतोषी नगर इलाके में रहती है। दूसरे के घरों में खाना बनाने का काम करती है। पीड़ित बहनों को पता चला कि कुछ लोग उसके घर पर कब्जा करने की नीयत से घर में घुसकर वीडियो बनाए हैं।

थाने में शिकायत दर्ज कराउंगी बोलने पर विवाद: इसके बाद दोनों बहनें पड़ोसी शेख इब्राहिम के घर पहुंची। जहां कुछ लोग हमारे घर में घुसकर वीडियो बनाए हैं, उसके बारे में पूछने लगी। इस पर पड़ोसियों ने कहा कि किसी शंकर ने वीडियो बनाया है। इस पर युवतियों ने कहा कि वह सभी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराएगी।

खुद के कपड़े उतार कर रेप की धमकी: इस बात से पड़ोसी मां-बेटे भड़क गए। शेख इब्राहिम की प%ी अज्जू और उसके बेटे ने युवतियों से गाली गलौज और मारपीट की, तभी आरोपी महिला के बेटे ने अपने कपड़े उतार लिए और युवती समेत उसकी बहन को रेप की धमकी देने लगा। मारपीट में दोनों बहनों के हाथ-पेट और सिर पर चोटें आई हैं।

अगले दिन फिर गाली-गलौज: घटना के बाद दोनों बहने अगले दिन सुबह जब अपने काम पर जा रही थी तो मां बेटे ने फिर उन्हें रोक लिया। फिर उनके साथ रास्ते में गाली गलौज की। इस मामले में पीड़ित युवतियों ने टिकरापारा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

टॉयलेट-किचन शेड में चल रहे सरकारी स्कूल

कमोड पर किताबें-मां सरस्वती की फोटो, सरगुजा में जर्जर भवन गिराए, नए निर्माण पर रोक

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। किचन की छत से पानी टपक रहा है। दीवारें जर्जर हो हैं। पास ही टॉयलेट भी है। कमोड पर किताबें और अन्य सामान रखा है। उसी के ऊपर मां सरस्वती की तस्वीर है। दोनों जगहों पर बच्चे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं... ये किसी मूवी का दृश्य नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सरकारी स्कूल की तस्वीर है।

दरअसल, तुनगुरी अहिरापारा ब्लॉक के शासकीय स्कूल के पास खुद का भवन नहीं है। वहीं लखनपुर ब्लॉक में तो ऐसे 8 स्कूल हैं, जिनके पास खुद का भवन नहीं है या फिर जर्जर हालत में संचालित हो रहा है। इसका वीडियो भी वायरल है।

पेरेंट्स गोवर्धन यादव बताते हैं कि, बच्चों को बहुत परेशानी है। स्कूल भवन डेढ़ साल पहले तोड़ दिया गया। किचन शेड जर्जर है, छत से पानी टपक रहा है। बच्चे वहीं बैठकर पड़ते हैं। ऐसे में बच्चों को आगे पढ़ाने-लिखाने में दिक्कत है।

सरकार बदली तो निर्माण कार्य निरस्त: बच्चों के पेरेंट्स और स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि, मुख्यमंत्री जतन योजना के तहत स्कूल भवन की स्वीकृति मिली थी। उस समय स्कूल भवन को ढहा दिया गया। इससे पहले कि स्कूल के नए भवन का काम शुरू होता, प्रदेश में सरकार बदल गई और फिर निर्माण कार्यों की अनुमति को निरस्त कर दिया गया।

वहीं स्कूल के टीचर बताते हैं कि, करीब डेढ़ महीने से किचन शेड और टॉयलेट में स्कूल का संचालन कर रहे हैं। पहले किराये के घर में स्कूल का संचालन कर रहे थे, फिर किसी कारण से उसे छोड़ना पड़ा। इसके बाद बाहर चबूतरे पर करने लगे, लेकिन बारिश के कारण यहां शिफ्ट होना पड़ा है।

स्कूल के दस्तावेज भी टॉयलेट में: बताया जा रहा है कि तुनगुरीपारा में स्कूल का भवन नहीं होने के चलते गांव में ही एक किराये के कमरे में संचालन किया था। इस शैक्षणिक सत्र में कमरा भी स्कूल को नहीं मिला। ऐसे में बच्चों को जर्जर किचन शेड और बाथरुम में पढ़ाया जा रहा। बाथरुम में स्कूल के कार्यालय के दस्तावेज भी रखे गए हैं।

आंगबाड़ी में शिफ्ट किया गया स्कूल: बाथरुम में स्कूल लगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा और **पत्रिका**श्वह्र प्रदीप कुमार राय तुनगुरी पहुंचे। किचन शेड और बाथरुम में लग रहे स्कूल को गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में शिफ्ट कराया गया।

छ्श्वह्र अशोक सिन्हा ने बताया कि, स्कूल को आंगनबाड़ी केंद्र में शिफ्ट कर दिया गया है। जल्द ही स्कूल बिल्डिंग के लिए पहल की जाएगी। स्कूल बिल्डिंग का कार्य स्वीकृत हुआ था, लेकिन नहीं बन सका। वर्तमान में आंगनबाड़ी केंद्र में 2 बड़े कमरे हैं। स्कूल के 22 बच्चे और आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए अलग-अलग कमरों में संचालन होगा। स्कूल भवन के लिए सरगुजा कलेक्टर ने भी जल्द से जल्द स्वीकृति का आश्वासन दिया है।

पुराने भवन तोड़े, नए का काम भी रुका: लखनपुर ब्लॉक के 8 स्कूल वर्तमान में भवन विहीन हैं। इनमें छह प्राइमरी और 2 मिडिल स्कूल हैं। इनके पुराने भवनों के जर्जर होने के स्कूल जतन योजना के तहत स्वीकृति दी गई थी। पुराने स्कूल भवनों को तोड़ा गया और नए भवनों का कार्य शुरू नहीं हो सका। फिलहाल बीजेपी की सरकार ने निर्माण कार्य निरस्त कर दिया है, जिससे बच्चों की पढ़ाई नहीं हो रही है।

स्टेडियम में बने कमरे में स्कूल संचालित: इसके अलावा भवन विहीन स्कूलों का संचालन जिम्मेदारों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। सिरकोतंगा के मिडिल स्कूल का संचालन स्टेडियम में बने कमरे में किया जा रहा है। सोयदा का प्राइमरी स्कूल जर्जर घोषित हो चुके आंगनबाड़ी भवन में किया जा रहा है। कुसु में ही 3 प्राइमरी स्कूल भवन विहीन हैं। तुरना का प्राइमरी स्कूल भी भवन विहीन है।

लालकृष्ण आडवाणी अपोलो अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी (96) की तबीयत मंगलवार को एक बार फिर खराब हो गई। उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ विनीत सूरी की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। इससे पहले 26 जून को एम्स दिल्ली में यूरोलॉजी डिपार्टमेंट की निगरानी में उनका एक छोटा ऑपरेशन हुआ था। अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्?टी मिल गई थी। करीब एक हफ्ते बाद 3 जुलाई को रात 9 बजे अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अपोलो में भर्ती कराया गया था। हालांकि एक दिन बाद ही वे घर आ गए थे। 31 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया था। लालकृष्ण आडवाणी को 31 मार्च को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके घर जाकर भारत रत्न से सम्मानित किया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने 3 फरवरी को उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा की थी। इससे पहले 2015 में आडवाणी को देश के दूसरे सबसे नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सुरक्षाबलों-आतंकियों के बीच एनकाउंटर शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। सुरक्षाबलों ने सोमवार को यहां सर्च ऑपरेशन शुरू किया था, जिसके बाद आज आतंकियों से उनकी मुठभेड़ हुई। उधमपुर के एसएसपी जोगिंदर सिंह ने बताया कि आतंकियों को खत्म करने का ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इलाके में दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। इससे पहले अनंतनाग में सोमवार (5 अगस्त) को तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। सुरक्षा बलों के जॉइंट चेकिंग ऑपरेशन में तीनों को हिरासत में लिया गया। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद मिले। इसमें मैगजीन सहित एक पिस्तौल, गोलियां, ग्रेनेड, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस शामिल हैं।

राजस्थान में बांध के पानी में बस बही, हिमाचल में 87 सड़कें ब्लॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सभी हिस्सों में मानसून जमकर सक्रिय है। राजस्थान के टोंक में टोरडी सागर डैम ओवरफ्लो होने से मंगलवार (6 अगस्त) सुबह एक बस बांध के तेज बहाव में बह गई। ड्राइवर लापता है। बस में यात्री नहीं थे। जैसलमेर में सोनार फोर्ट की एक दीवार ढह गई। 7 जिलों में आज स्कूल बंद हैं। पिछले 36 घंटे में 11 लोगों की मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड और बाढ़ के कारण 87 सड़कें बंद हैं।

राज्य में 6,7 और 8 अगस्त को भारी बारिश का अलर्ट है। शिमला के रामपुर के पास समेज गांव में रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन जारी है। 31 जुलाई को कुल्लू, मंडी और शिमला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में 13 लोगों की मौत हुई थी। 40 लोग लापता हैं। आईएमडी ने आज 20 राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में यलो अलर्ट है।

अमेरिका ने रद्द किया शेख हसीना का वीजा, ब्रिटेन ने भी दिया झटका

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में भारी प्रदर्शन और हिंसा के बाद शेख हसीना भारत आ गई हैं। सोमवार को उन्होंने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। फिलहाल हसीना भारत में कड़ी सुरक्षा के बीच किसी अज्ञात जगह पर हैं। इन सब के बीच शेख हसीना को अमेरिका ने बड़ा झटका दिया है। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका ने शेख हसीना का बीजा रद्द कर दिया है। इसका मतलब है कि हसीना शरण लेने अब अमेरिका के लिए नहीं जा सकेंगी।

अमेरिका ने क्या कहा?

बांग्लादेश की एक स्थानीय न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ढाका में अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी ने इस मुद्द पर कहा कि अमेरिकी कानून के तहत वीजा रिकॉर्ड गोपनीय होता है। इसलिए हम व्यक्तिगत वीजा मामलों के विवरण पर चर्चा नहीं करते हैं। हालांकि, शेख हसीना की पार्टी के कई सदस्यों और अधिकारियों पर वीजा

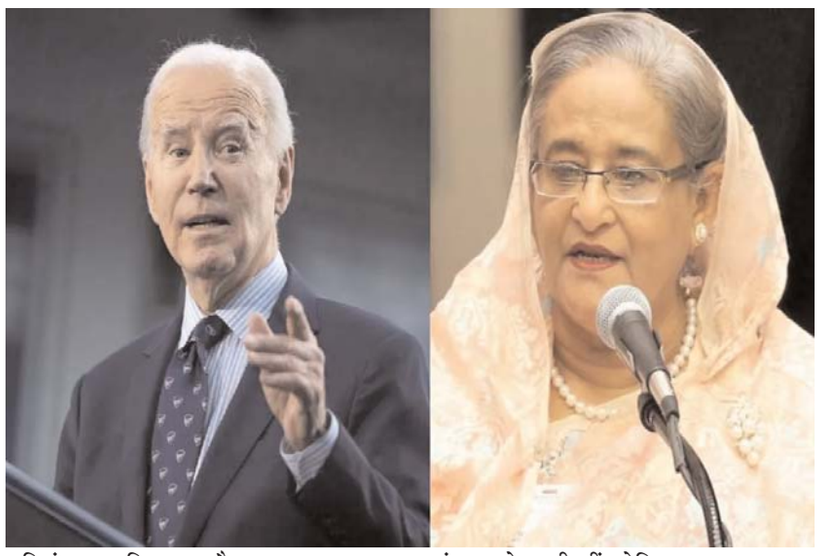

प्रतिबंध लगा दिया गया है।

ब्रिटेन ने भी दिया झटका

खबर आई थी कि हसीना भारत से लंदन जाने वाली थीं, लेकिन अब वह अन्य विकल्पों पर विचार कर रही हैं। क्योंकि ब्रिटेन सरकार ने संकेत दिया है कि उन्हें किसी भी संभावित जांच के खिलाफ ब्रिटेन में कानूनी सुरक्षा नहीं मिल सकती है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने सोमवार को लंदन में एक बयान में कहा कि बांग्लादेश ने पिछले कुछ हफ्तों में अभूतपूर्व स्तर की हिंसा और जान-माल की दुखद हानि देखी है और देश के लोग घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में पूर्ण और स्वतंत्र जांच के हकदार हैं।

अज्ञात स्थान पर हैं हसीना

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद शेख हसीना सोमवार को बांग्लादेश छोड़कर भारत के हिंडन एयरबेस पर उतरीं थी। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद हसीना को एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया और उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। उनके सहयोगियों ने हिंडन पहुंचने से पहले भारतीय अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया था।

कांग्रेस के टॉप लीडर्स की बैठक शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। एससी/एसटी केटेगरी में क्रीमी लेयर को आरक्षण से बाहर करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस के टॉप लीडर्स की बैठक शाम 6:30 बजे शुरू हुआ। यह बैठक कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हो रही है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीति शुरू हो गई थी। अब इस पर आगे की रणनीति और रुख पर चर्चा करने के लिए बैठक की जा रही है। इस बैठक में पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में लीडर ऑफ अपोजिशन राहुल गांधी, सांसद केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद। सुप्रीम कोर्ट ने

गुरुवार (1 अगस्त) को 20 साल पुराना अपना ही फैसला पलटा दिया था। इस दौरान कोर्ट ने कहा था कि अनुसूचित जातियां खुद में एक समूह हैं, इसमें शामिल जातियों के आधार पर और बंटवारा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने अपने नए फैसले में राज्यों के लिए जरूरी हिदायत भी दी है। कहा है कि राज्य सरकारें मनमर्जी से फैसला नहीं कर सकतीं।

जयशंकर संसद में बोले- बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के ताजा हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को संसद के दोनों सदनों में बयान दिया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। वहां के हालात पर भारत सरकार की नजर है। जयशंकर ने आगे कहा कि बांग्लादेश में लोग सड़कों पर हैं। वहां हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। यह चिंता की बात है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर भी हमला किया, जिसके बाद हालात बिगड़े। उन्होंने यह भी बताया कि इस्तीफे के बाद शेख हसीना ने

भारत आने की इजाजत मांगी थी। इसके बाद भारत सरकार ने उनके आने की व्यवस्था की। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि भारत सरकार बांग्लादेश में अपने नागरिकों के संपर्क में है। इस वक्त वहां करीब 19 हजार भारतीय मौजूद हैं, जिनमें से 9000 छात्र हैं। वहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। बांग्लादेश में जो भी सरकार बने उनसे मांग है कि भारत के हाई कमीशन की सुरक्षा की जाए। ढाका के इंडियन हाई कमिश्नर और चिटगांव के एसोसिएट हाई कमिश्नर हमें लगातार रिपोर्ट भेज रहे हैं। हम बांग्लादेश में अल्पंख्यक समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बीते 24 घंटे के दौरान वहां काफी कुछ बदल गया है। यह बहुत ही संवेदनशील मसला है। हम सदन से इस मसले पर सहयोग चाहते हैं। बांग्लादेश हमारे बहुत करीब है। जनवरी से ही वहां टेंशन है।

अनंत अंबानी की शादी में शामिल नहीं हुई थी प्रियंका गांधी, कांग्रेस बोली- झूठ बोलने के लिए माफी मांगें भाजपा सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में यह झूठा दावा किया है कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी की शादी में शामिल हुईं थीं। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि दुबे को माफी मांगनी चाहिए। दुबे ने मंगलवार को निचले सदन में वित्त विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस महासचिव के अंबानी परिवार की शादी समारोह में शामिल होने का दावा किया था।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सदन में यह मुद्दा उठाया और दावा किया कि भाजपा सांसद सदन में झूठ बोलते हैं और उन्हें ऐसा करने की अनुमति भी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख उद्योगपति के परिवार के वैवाहिक समारोह में कांग्रेस महासचिव शामिल नहीं हुई थीं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने 'एक्स% पर पोस्ट किया, ''भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को झूठ बोलने की लत है। आज उन्होंने लोकसभा में कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी अंबानी परिवार के विवाह समारोह में शामिल हुई थीं। ये सरासर झूठ है। उन्होंने कहा, ''निशिकांत दुबे जी, झूठ बोलने की ये बुरी आदत छोड़ दीजिए और कान पकड़कर माफी मांगिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने कहा कि प्रियंका गांधी शादी में शामिल नहीं हुई थीं और वह उस समय विदेश में थीं।

वायनाड लैंडस्लाइड, मौत का आंकड़ा 402 पहुंचा

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 402 हो गई हैं। इनमें से 181 लोगों के शरीर के सिर्फ टुकड़े ही मिले हैं। 180 लोग अब भी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन का आज (6 अगस्त) 8वां दिन है। रेस्क्यू टीम आज सोचीपारा के सनराइज वैली इलाके में तलाशी की जाएगी। यह एक ऐसा दुर्गम क्षेत्र है, जहां अब तक रेस्क्यू का काम नहीं हुआ था। वायुसेना के हेलिकॉप्टर से एक टीम यहां पहुंचेगी। वहीं प्रभावित इलाकों को 6 जोन में बांटकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इधर सोमवार देर रात पुथुमाला में लैंडस्लाइड में मारे गए 29 अज्ञात लोगों और 154 बॉडी पार्ट्स का सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार किया गया। उनकी आत्मा की शांति के लिए आज मंगलवार को सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया है। वायनाड में 29-30 जुलाई देर रात 2 बजे और 4 बजे के करीब मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुई थीं। इनमें घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां बह गईं। वहीं, केरल कैथोलिक बिशप्स कमेटी ने उन लोगों के लिए 100 घर बनाने का फैसला किया है, जिन्होंने हादसे की वजह सेअपने घर खो दिए। वायनाड में लैंडस्लाइड के बाद से लापता एक पालतू डॉग टिप्पू 6 दिन बाद सोमवार को अपने घर लौटा है। रेस्क्यू टीम ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल को टिप्पू बाढ़ के पानी में डूबा एक घर में फंसा मिला। ह्यूमेन सोसाइटी के हेमंत बायट्रॉय ने कहा, टिप्पू को सुरक्षित रेस्क्यू करके हम बहुत खुश हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हम और भी सैकड़ों फंसे जानवरों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर के पास दो मकान ढहे...1 की मौत

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के पास मंगलवार सुबह 3 बजे 2 मकान ढह गए। इसमें ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मी समेत 9 लोग मलबे में दब गए। 8 को सुरक्षित बाहर निकाला गया। 43 साल की एक महिला की मौत हो गई। हादसे के वक्त लोग सो रहे थे। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। एनडीआरएफ बुलाई गई। 6 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चला। जिस गली में हादसा हुआ, उसकी चौड़ाई महज 8 फीट है। ऐसे में वहां रेस्क्यू का पूरा काम मैनुअली हुआ। एनडीआरएफ ने मलबे को हाथों से हटाया। इस वजह से रेस्क्यू में वक्त लग गया। दोनों घर मंदिर कॉरिडोर से महज 10 मीटर की दूरी पर हैं। इधर, पीएम मोदी ने कमिश्नर कौशल राज शर्मा से फोन पर बात की। कमिश्नर ने उन्हें बताया कि मृतक महिला और घायलों को मुआवजा दिया जाएगा।

रातों-रात चमकी किसान की किस्मत, पन्ना की धरती से मिला बेशकीमती हीरा

पन्ना (एजेंसी)। देश दुनिया में डायमंड सिटी के नाम से प्रसिद्ध मध्यप्रदेश के पन्ना में पन्ना की धरा कब किसको करोड़पति बना दे कुछ कहा नहीं जा सकता, क्योंकि यहां की धरती हीरे उगलती है और यह वही हीरा है जो रोडपति इंसान को भी करोड़पति बना देता है। इसी कड़ी में ग्राम जरुआपुर के किसान दिलीप मिस्त्री को 16.10 कैरेट वजन वाला जेम क्वालिटी का बेशकीमती हीरा मिला है। बीते एक पखवाड़े में पन्ना की उथली खदान से मिला यह दूसरा बड़ा हीरा है। पन्ना की धरती कईयों की किस्मत बदल चुकी है। ऐसा ही वाकया आज फिर हुआ जिसमें किसान दिलीप मिस्त्री को अपने ही खेत (पन्ना के जरूआपुर) में हीरा की चाल मचाते समय हीरा मिला है। जब यह चमचमता हीरा दिखा तो आंखें चका-चौंध हो गईं और किसान की खुशी का ठिकाना न रहा और झूम कर नाच उठे। हीरा मिलने के बाद किसान दिलीप अपने परिवार सहित अपने पार्टनरों को फोन पर जानकारी देता है और जानकारी देने के बाद पार्टनरों के साथ 16 कैरेट 10 सेंट के हीरे को हीरा कार्यालय में जमा करता है।

राउज एवेन्यू कोर्ट में कविता की डिफॉल्ट याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीआरएस नेता के. कविता की डिफॉल्ट जमानत याचिका खारिज कर दी। 5 अगस्त हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई 7 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी थी। कविता के वकील ने कोर्ट से बहस के लिए समय मांगा था और सीबीआई मामले में डिफॉल्ट जमानत की मांग की थी। कविता के वकील ने कोर्ट में दलील देते हुए कहा कि वे जमानत याचिका पर जोर नहीं देना चाहते हैं। कृपया इसे वापस लेने

की अनुमति दें। इस पर स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने याचिका वापस लेने का निर्देश दिया। इससे पहले कविता की नियमित जमानत याचिकाओं को ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। दरअसल, बीआरएस नेता ने डिफॉल्ट जमानत की मांग करते हुए जमानत याचिका दायर की थी, क्योंकि शराब नीति मामले में सीबीआई 60 दिन के अंदर कंप्लीट चार्जशीट नहीं दाखिल कर पाई थी। कविता ने ये भी मांग है कि उन्हें मामले में डिफॉल्ट जमानत और वर्तमान जमानत याचिका के लंबित रहने के दौरान अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। 31 जुलाई को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएसस नेता के. कविता की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ा थी।

बांग्लादेश के मुद्दे पर बिहार सरकार अलर्ट, मंत्री विजय चौधरी ने कहा- सभी चीजों पर सरकार की नजर

पटना (एजेंसी)। बांग्लादेश मामले को लेकर बिहार सरकार भी अलर्ट मोड पर हैं। मंत्री विजय चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पुलिस प्रशासन को अलर्ट रहने का निर्देश दिया। सभी चीजों पर सरकार की नजर है। बिहार के सीमावर्ती क्षेत्र में सजग रहने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भी मामले पर संज्ञान ले रही। हमलोग चाहते हैं कि बांग्लादेश मे शांति व्यवस्था जल्द बहाल हो। बांग्लादेश से बड़े पैमाने पर शरणार्थियों के आने की सूचना पर विजय चौधरी ने कहा कि सीएए कानून के तहत जो प्रावधान है उसके तहत अगर कोई आदमी इसका लाभ उठाना चाहता है तो कानूनी प्रावधानों के तहत वह इसका लाभ उठा सकता है। वहीं श्वष्ठ द्वारा तेजस्वी यादव और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर किए जाने पर मंत्री विजय चौधरी ने कहा की एजेंसी जांच कर रही है। जांच में कोई दस्तावेज प्रमाण सामने आते हैं और यह प्रक्रिया लंबी चलती है जिसमें कई पड़ाव आते हैं।

कोई भी राज्य बंगाल मॉडल को नहीं अपनाना चाहेगा, टीएमसी नेता को अमित शाह का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज मंगलवार को लोकसभा में टीएमसी नेता सौगत राय ने प्रश्नकाल के दौरान वामपंथी उग्रवाद से संबंधित एक पूरक प्रश्न उठाया। राय ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार ने पश्चिम बंगाल में वामपंथी उग्रवाद को काफी हद तक नियंत्रित किया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पश्चिम बंगाल में उग्रवाद की घटनाएं पहले अधिक होती थीं, लेकिन ममता बनर्जी की सरकार की कोशिशों से स्थिति में सुधार आया है। राय के अनुसार,

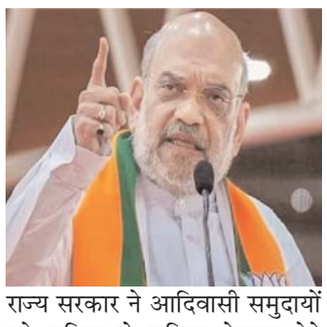

राज्य सरकार ने आदिवासी समुदायों को अधिक से अधिक रोजगार देने की पहल की है, जिसके परिणामस्वरूप आज पश्चिम बंगाल में उग्रवाद काफी हद तक समाप्त हो चुका है। सौगत राय ने ममता बनर्जी सरकार के पश्चिम बंगाल मॉडल की तारीफ करते हुए केंद्र सरकार से सवाल पूछा कि क्या केंद्र सरकार इस मॉडल का अध्ययन करेगी ताकि इसे अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सके, विशेष रूप से उन राज्यों में जहाँ वामपंथी उग्रवाद अभी भी एक समस्या है, जैसे छत्तीसगढ़ और अन्य प्रभावित क्षेत्र। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर दिया, यदि कोई राज्य अच्छा काम करता है।

राहुल ने पूछा- क्या बांग्लादेशी हिंसा में विदेशी हाथ है

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंसा और राजनीतिक संकट के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार (6 अगस्त) को संसद भवन में सर्वदलीय बैठक की। विदेश मंत्री एय जयशंकर ने सभी पार्टी के नेताओं को पड़ोसी देश में मौजूदा हालात की जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, बैठक में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र से पूछा कि क्या बांग्लादेश हिंसा के पीछे विदेशी ताकतों, खासकर पाकिस्तान का हाथ हो सकता है? सरकार ने कहा कि पाकिस्तान के एक डिप्लोमैट सोशल मीडिया पर

अपनी प्रोफाइल फोटो में लगातार बांग्लादेश आंदोलन की तस्वीरें लगा रहे थे। इसलिए इस एंगल की जांच की जा रही है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई दलों के नेता शामिल हुए।

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर 2 महीने से जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच सोमवार (5 अगस्त) को जमकर हिंसा हुई। इसके बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर भारत आ गईं। वे अभी गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस के सेफ हाउस में हैं। वे लंदन या फिनलैंड जा सकती हैं।

डुप्लांटिस ने नौवीं बार स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

सेंट डेनिस (एजेंसी)। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नौवीं बार स्वर्ण पदक जीता है। डुप्लांटिस ने इस मुकाबले में 6.025 मीटर की कूद लगाकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इस एथलीट ने ओलंपिक खेलों में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। डुप्लांटिस के इस मैच में स्वीडन के राजा और रानी भी उपस्थित थे। ये एथलीट लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर और एक सेंटीमीटर के अंतर से नौवीं बार रिकॉर्ड तोड़कर अब महान पोल वॉल्ट खिलाड़ी सर्गेई बुबका के काफी करीब पहुंच गया है। डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में इससे पहले भी 2019 में 6.17 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया, और 2020 में इस रिकॉर्ड को बढ़ाकर 6.18 मीटर का रिकार्ड बनाया था। 2020 टोक्यो ओलंपिक में उन्हें उन्होंने 6.02 मीटर की ऊँचाई पर कूदकर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 2018 और 2022 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीते थे।

जरुरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आये राहुल और आथिया

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेटर केएल राहुल और उनकी पत्नी अथिया शेट्टी सेव द चिल्ड्रन इंडिया नाम से जाने जाने वाले बच्चों के विपला फाउंडेशन के लिए धन जुटाएंगे। ये फाउंडेशन जरुरतमंद बच्चों की पढ़ाई के साथ ही अन्य कई जरुरतों का ध्यान रखता है। राहुल और अथिया ने एक विशेष क्रिकेट नीलामी का भी आयोजन किया है, जिसमें स्टार खिलाड़ी दिग्गज अपनी कोई बहुत ही प्रिय वस्तु दान करेंगे और फाउंडेशन के लिए वित्तीय सहायता जुटाएंगे। इसके लिए ये अन्य दिग्गजों को भी अपने साथ जोड़ रहे हैं। राहुल और अथिया ने राहुल द्रविड़, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा और लखनऊ सुपर जायंट्स जैसे प्रसिद्ध और सम्मानित क्रिकेटरों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों; जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी इस बारे में संपर्क किया है। राहुल ने कहा. स्कूल में मेरा पहला दौरा बहुत भावुक था और बच्चों ने मुझे इस महान पहल में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए प्रेरित किया, जिसका हिस्सा अथिया का परिवार रहा है। नीलामी विपला फाउंडेशन द्वारा बच्चों को एक बेहतरीन शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए किए जा रहे कार्य काम का समर्थन करने का हमारा तरीका है। जब मैंने क्रिकेट बिरादरी से संपर्क किया, तो उन्होंने भी इस महान उद्देश्य के लिए अपने कीमती क्रिकेट सामान दान करने में उतना ही सहयोग किया।

विनेश पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। विनेश ने क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच को 7-5 से हराया। इसए मुकाबले में विनेश शुरुआत से ही हावी विनेश ने शुरु में ही 4 अंक हासिल किए। इसके बाद से ही वह लगातार हावी रहीं। विनेश ने जीत से अपना अभियान शुरु किया है। विनेश ने मौजूदा चैम्पियन जापान की युवी सुसाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। विनेश इस मुकाबले में अंतिम मिनट में 0-2 से पीछे हो गयीं थी पर इसके बाद उन्होंने जबदस्त वापसी करते हुए अंतिम 30 सेकंड में बाजी पलट दी। विनेश को 50 किलो वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती में कठिन ड्रॉ मिला है। इसमें उनका पहला ही विश्व की नंबर एक सुसाकी से हुआ। इसमें विनेश ने अपनी प्रदर्शन से विरोधी खिलाड़ी को पटखनी दे दी। इससे तय है कि विनेश का लक्ष्य पदक जीतना है। विनेश और उनकी विरोध खिलाड़ी के बीच शुरुआत में कड़ा मुकाबला हुआ।

श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया को उलटफेर से बचना होगा, करो या मरो की स्थिति में मारनी पड़ेगी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच बुधवार 7 अगस्त को तीसरा और आखिरी वनडे मैच खेला जाएगा। फिलहाल तीन मैचों की वनडे सीरीज में श्रीलंका 1-0 से आगे है जबकि एक मैच दोनों टीमों के बीच टाई हुआ था। जिस कारण टीम इंडिया के लिए ये मुकाबला %करो या मरो% की स्थिति वाला होगा। इसके साथ ही विराट कोहली, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बता दें कि, 27 सालों से भारत श्रीलंका से कोई वनडे सीरीज नहीं हारा है। इस मतलब ये है कि, मेजबान के घर में भारत की बादशाहत पर भी खतरा है। अब देखना होगा कि भारतीय क्रिकेट के गंभीर युग में ये बरकरार रहती है या फिर श्रीलंका कोई उलटफेर करता है। भारत पिछली बार 1997 में श्रीलंका में 0-3 से वनडे सीरीज हारा था। उस दौरान सचिन तेंदुलकर टीम के कप्तान थे। भारत और श्रीलंका के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली गई हैं। भारत एक भी हारा नहीं है। हालांकि, दूसरे वनडे में 32 रन की हार और पहले मैच में बराबरी के बाद भारत की मौजूदा सीरीज जीतने की संभावना खत्म हो गई है। भारतीय टीम श्रीलंका में इसलिए संघर्ष कर रही क्योंकि भारतीय बल्लेबाज श्रीलंका के स्पिन गेंदबाजों का सामना नहीं कर पा रहे हैं। विराट कोहली श्रीलंकाई स्पिनर के सामने बेबस नजर आ रहे हैं। उन्होंने 2 मैच में 38 रन ही बनाए हैं। उनके आउट होने से ज्यादा परेशान करने वाली बाय ये है कि वे रन नहीं बना पाए, जिससे उनमें संयम की कमी दिखाई दी। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच आमतौर पर स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल होती है। दूसरे वनडे में ये विशेष रूप से स्पष्ट था, क्योंकि स्पिनर ने 19 में से 15 विकेट लिए। जैफ्री वैंडरसे ने 6 विकेट झटके थे।

ठीक से चल नहीं पा रहे हैं विनोद कांबली, चौंकाने वाला वीडियो हो रहा वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली का एक शॉकिंग वीडियो सामने आया है। जिस खिलाड़ी को कभी सचिन तेंदुकर से बेहतर माना गया था, जो कभी मैदान पर रन बनाते थकता नहीं था। आज उसे चलने के लिए भी सपोर्ट की जरूरत है। दरअसल, विनोद कांबली का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसे देखकर यूजर्स कई बाते कर रहे हैं। कांबली के वीडियो पर सैकड़ों कॉमेंट आए हैं। कई लोग का मानना है कि कांबली ने शराब पी रखी है तो कुछ उन्हें बीमार बता रहे हैं। विनोद कांबली पिछले सालों में कई अलग-अलग बीमारियों से जूझते रहे हैं। कुछ साल पहले उन्हें हार्ट अटैक आया था। मुंबई पुलिस के एक कॉन्स्टेबल ने उन्हें अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाई थी। कांबली की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं मानी जाती है। फिलहाल विनोद कांबली के क्रिकेट करियर की बात करें तो, उन्होंने भारत के लिए 104 वनडे और 17 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने वनडे क्रिकेट में 2 शतक और 14 अर्धशतक की मदद से 2477 रन बनाए हैं। कांबली ने टेस्ट क्रिकेट में चार शतकों की मदद से 1084 रन बनाए हैं, इनमें दो दोहरे शतक भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में अब महिला टी-20 विश्व कप होना मुश्किल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश वर्तमान में इतिहास के सबसे अशांत समयों में से एक का कर रहा है। व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण महत्वपूर्ण उथल-पुथल मची हुई है। नागरिक अशांति के बीच 300 से अधिक लोगों की जान चली गई है और हजारों लोग घायल हुए हैं। 2009 से सत्ता में रहीं प्रधान मंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है और भारत में शरण मांगी है। सेना ने नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है और अंतरिम सरकार स्थापित करने की योजना बना रही है। इस राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल ने 3 से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होने वाले 2024 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के आयोजन के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक वर्तमान के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बांग्लादेश की स्थिति देशभर में हो रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों से देश में सुरक्षा खतरा चरम पर पहुंच गया है। इन घटनाक्रमों के आलोक में, पिछले महीने श्रीलंका के कोलंबो में आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में बांग्लादेश के सुरक्षा मुद्दों, विशेष रूप से आगामी महिला टी20 विश्व कप के संबंध में चर्चा शामिल थी। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि आईसीसी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और उसने नोट किया है कि आयोजन में अभी कई महीने बाकी हैं। हालाँकि, बढ़ती हिंसा और अस्थिरता के कारण योजना के अनुसार बांग्लादेश में टूर्नामेंट की मेजबानी की व्यवहार्यता पर संदेह बना हुआ है। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन एक अदालत द्वारा सरकारी नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली बहाल करने के बाद शुरू हुआ। ऐसा कहा जाता है कि कोटा ने पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार के सदस्यों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की हैं। कोटा प्रणाली मूल रूप से 1972 में स्थापित की गई थी लेकिन बहाल होने से पहले 2018 में इसे कुछ समय के लिए समाप्त कर दिया गया था।

पेरिस ओलंपिक-नीरज चोपड़ा फाइनल में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नीरज ने पहले ही प्रयास में ग्रुप बी में 89.34 के थ्रो के साथ फाइनल में जगह बनायी। वहीं भारत के अन्य भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना ने 80.21 मीटर के साथ समापन किया। उन्होंने पहले प्रयास में 80.73 का थ्रो फेंका था और दूसरे में फाउल किया इस कारण वह क्वालीफाई नहीं कर पाये। भाला फेंक मुकाबला दो चरणों ग्रुप और खिताब के लिए होता है। ग्रुप चरण में 84 मीटर का थ्रो भी क्वालीफाई करने के लिए मान्य होता है, जबकि शीर्ष 12 खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं दोनों ही खिलाड़ियों को अलग अलग ग्रुप में रखा गया है। पहले 16 एथलीट के ग्रुप में शामिल जेना फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। ऐस में अब सभी की उम्मीदों टोक्यो आलंपिक के स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा पर लगी हैं। नीरज दूसरे ग्रुप में भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों में पहले स्थान पर थे। पहले ग्रुप में भारत के हाथ नाकामी मिली। क्वालिफिकेशन में जेना 84 मीटर का मार्क हासिल करने में नाकाम रहे। उनको पहले ही दौर से बाहर होना पड़ा।

पेरिस ओलंपिक 2024 में जैवलिन थ्रो इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड में किशोर जेना ने पहला थ्रो 80.73 मीटर का फेंका जबकि दूसरा थ्रो फाउल हो गया. इसके बाद तीसरे थ्रो और आखिरी थ्रो में वह 80.21 मीटर तक ही भाला फेंक पाए। नीरज के अलावा पाकिस्तान नदीम ने भी पहले ही प्रयास में कमाल का प्रदर्शन किया और 86.59 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वलिफाई कर लिया।

बांग्लादेश में दंगाइयों ने फूंक दिया इस स्टार हिंदू क्रिकेटर का घर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्यापक हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर चली गईं। अशांति, जो नौकरी कोटा के खिलाफ प्रदर्शन के रूप में शुरू हुई, एक आंदोलन में बदल गई जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षा बलों की कार्रवाई के कारण सैकड़ों मौतें हुईं। एक टेलीविज़न बयान में, सेना प्रमुख जनरल वेकर-उज़-ज़मान ने हसीना के इस्तीफे के बाद अंतरिम सरकार के गठन की घोषणा की।

लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ संभावित हिंसा के बारे में चिंता बढ़ा दी है। बांग्लादेश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शनों और आगजनी की खबरों के बीच, सोशल मीडिया पर कथित तौर पर हिंदू घरों और मंदिरों को जलाने के बारे में ट्वीट तैरने लगे। उन ट्वीट्स में कई सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी दावा किया कि बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाड़ी लिटन दास का घर प्रदर्शनकारियों ने जला दिया। हालाँकि, सूचना झूठी पाई गई। हसीना के जाने के बाद, सोशल मीडिया पोस्ट में झूठा दावा किया गया कि क्रिकेटर लिटन दास के घर को प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी। दास, एक बंगाली हिंदू, ने वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया है। वायरल दावों के विपरीत, जिस घर में आग लगाई गई वह कथित तौर पर पूर्व क्रिकेट कप्तान मशरफे मुर्तजा का था, जो हसीना की अवामी लीग से सांसद हैं। प्रदर्शनकारियों ने अवामी लीग के अन्य नेताओं के घरों को भी निशाना बनाया। तस्वीरें शेयर करने वालों ने इन्हें एक कैप्शन के साथ अपलोड किया है, जिसमें लिखा है, वह बांग्लादेशी क्रिकेटर लिटन दास हैं। वह बांग्लादेश के राष्ट्रीय हीरो हैं। उनके घर को इस्लामवादियों ने आग लगा दी थी। ये हाल है बांग्लादेश के एक संभ्रांत हिंदू का। जरा आम हिंदुओं की हालत की कल्पना कीजिए। हालांकि, एक बांग्लादेशी पत्रकार ने एक्स पर पोस्ट लिखते हुए इस खबर को बकवास बताया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि एक स्पष्ट झूठ पर 30 मिनट के भीतर 6 हजार लाइक्स (वह मशरफे का घर है)....हमारे देश में डर पैदा करने और बांटने की कोशिश करने वाले स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय भय फैलाने वालों से लड़ने के लिए हमें अभी एक लंबा रास्ता तय करना है।

'ये लड़की देश के सिस्टम से हार गई थी', विनेश फोगाट के सेमीफाइनल में पहुंचने पर बोले बजरंग पुनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट, जो पिछले साल काफी विवादों में रहीं, ने पेरिस ओलंपिक में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की युई सुसाकी को हरा दिया। विनेश की जीत शीर्ष वरीयता प्राप्त जापानी सुसाकी के लिए अंतरराष्ट्रीय सर्किट में पहली ऐतिहासिक हार का भी प्रतीक है, जिन्होंने 2020 में टोक्यो खेलों के दौरान अपनी पकड़ के दौरान एक भी अंक नहीं गंवाया था।

मैच के आखिरी 30 सेकंड तक 0-2 से पिछड़ने के बाद, विनेश ने धैर्यपूर्वक इंतजार किया और आखिरकार अपने मौके का फायदा उठाया, बाउट के अंतिम सेकंड में टेकडाउन के लिए सुसाकी के पैरों पर चढ़ गया और मैच के अंतिम सेकंड में उसे पिन करके 3 अंक हासिल कर चैंपियन से जीत छीन ली। जापान ने कॉल को चुनौती दी, लेकिन समीक्षा गंवा दी, जिससे विनेश को जीत मिली और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का रास्ता मिल गया, जहां वह ओक्साना लिवाच से भिड़ेंगी। भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया, जो डब्ल्यूएफआई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान फोगट के साथ थे, ने विनेश के मुकाबले के नतीजे पर खुशी साझा की। बजरंग पुनिया ने एक्स पर लिखा कमाल कर दिया लड़की ने। एक अन्य पोस्ट में उन्होंन लिखा कि विनेश फोगाट भारत की वो शेरनी जिसने आज बैक टू बैक मैच में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन को हराया। उसके बाद क्वार्टरफाइनल में हराया। मगर एक बात बताऊं, ये लड़की अपने देश में लातों से कुचली गई थी। ये लड़की अपने देश में सड़कों पर घसीटी गई थी। ये लड़की दुनिया जीतने वाली है मगर इस देश में सिस्टम से हार गई थी।

मध्यप्रदेश को देश में ग्रीन स्टेट के रूप में पहचान दिलायें: मंत्री विजयवर्गीय

संकल्प पत्र के बिंदुओं सहित विभागीय योजनाओं की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर सुविधा देने के लिये नगरीय निकायों में कैडरवाइज रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया में तेजी लायें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में समृद्ध वन हैं, इस बात को ध्यान में रखते हुए विभाग मध्यप्रदेश को प्रदूषण मुक्त बनाने में श्रेष्ठ कार्य करते हुए इसे ग्रीन स्टेट के रूप में पहचान दिलाने की ठोस पहल करे। मंत्री विजयवर्गीय आज भोपाल में मंत्रालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी भी मौजूद थीं। बैठक में विभाग के संकल्प पत्र की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में मंत्री विजयवर्गीय ने निर्देश दिये कि भोपाल एवं इंदौर में महानगरीय सेवाओं को सुदृढ़ किया जाये। इन शहरों के आसपास के नगरों में बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिये मैट्रोपोलिटन अथॉरिटी के जरिये काम किये जाये। बैठक में अग्निशमन सेवा के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिये अलग से संचालनालय गठित करने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया गया। अग्निशमन सेवा में आधुनिकीकरण के लिये केन्द्र सरकार से करीब 300 करोड़ रूपये प्राप्त हुए हैं। साथ ही राज्य का अंश 100 करोड़ रूपये का है। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आगजनी की घटना के दौरान ऐसे वाहनों की सेवा ली जाये, जो खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से पहुँच सकें। मंत्री विजयवर्गीय ने शहरी क्षेत्रों में रजक समुदाय के लिये समर्पित लॉन्ड्री क्षेत्र आवंटित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 5 महानगरों में भूमि चिन्हित कर इस कार्य की शुरूआत की जाये।

स्मार्ट सिटी मिशन: बैठक में बताया गया कि 10 हजार करोड़ रूपये के निवेश के साथ भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, सागर, सतना और उज्जैन में विकास कार्य किये जा रहे हैं। इनमें से 5 हजार 707 करोड़ रूपये के कार्य पूरे किये जा चुके हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रोत्साहन नीति के तहत 6 शहरों में 552 ई-बसों के लिये निविदा जारी की जा चुकी हैं। इंदौर में 70 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है। विभाग की अमृत 2.0 योजना में जल आपूर्ति की 151 परियोजनाओं में कार्यादेश जारी किये जा चुके हैं। नगरीय निकायों द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय रसोई घर केन्द्रों की संख्या अब बढ़कर 191 हो गई है। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना में 7 लाख 92 हजार आवास पूर्ण किये जा चुके हैं।

महिला जन प्रतिनिधि सम्मेलन: प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने बताया कि आगामी 12 अगस्त को भोपाल के रवीन्द्र भवन में नगरीय निकायों की महिला जनप्रतिनिधियों का सम्मेलन और रक्षाबंधन कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में करीब 3 हजार महिला जनप्रतिनिधियों के शामिल होने का अनुमान है। सम्मेलन में स्वसहायता समूह स्टॉल लगाये जायेंगे। प्रतिनिधियों को कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। साथ ही नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा टीडीआर पोर्टल लांच किया जायेगा। आयुक्त नगरीय प्रशासन भरत यादव ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में एक करोड़ 75 लाख पौधरोपण का कार्यक्रम तैयार किया गया है। पौधरोपण कार्यक्रम 15 सितम्बर तक चलेगा।

भोपाल नगर की सड़कों पर चर्चा: बैठक में भोपाल नगर निगम की सड़कों पर चर्चा की गई। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि राजधानी की सड़कों का मरम्मत कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाये। भोपाल नगर निगम के पास 2020 किलोमीटर लंबाई की सड़के हैं।

प्रमुख सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से दिया साइबर तहसील का प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रमुख सचिव राजस्व निकुंज श्रीवास्तव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से साइबर तहसील-2 के संचालन के संबंध में प्रशिक्षण दिया। प्रमुख सचिव ने कहा कि पूरे प्रदेश में साइबर तहसील व्यवस्था लागू कर दी गई है। इसमें अविवादित नामांतरण के प्रकरण 20 दिनों में निराकृत हो रहे हैं। जमीन का बंटवारा होने के बाद समस्त कार्यवाहियाँ ऑनलाइन पूरी की जा रही हैं। पक्षकारों को मोबाइल नम्बर तथा ईमेल के माध्यम से कार्यवाही की जानकारी दी जा रही है। प्रकरण के संबंध में ई माध्यम से ही पक्षकार आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। पटवारी सारा पोर्टल में वेबजीईएस से ड्राफ्ट नक्शे तैयार कर ऑनलाइन नामांतरण के प्रतिवेदन दे रहे हैं। इसमें यदि नक्शे में बटांकन करना है तो सभी पक्षकारों की सहमति होना आवश्यक है। बंटवारा और नामांतरण होने के साथ ही साइबर तहसील के माध्यम से आदेश का अमल हो जाएगा। इसके लिए पृथक से प्रकरण तैयार करने और आदेश की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रमुख सचिव ने कहा कि साइबर तहसील के माध्यम से राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तहसीलदार और पटवारी दोनों को बहुत सहूलियत होगी। राजस्व महाअभियान की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि अभियान के दौरान बहुत अच्छा कार्य किया जा रहा है। सभी कलेक्टर और एसडीएम तहसीलों का निरीक्षण करें। तहसीलों में ऑफलाइन दर्ज प्रकरणों को आरसीएमएस में दर्ज कराएं। रीडर की आईडी में दर्ज सभी प्रकरण कार्यवाही के लिए तहसीलदार की आईडी में भेजें। अब आरसीएमएस पोर्टल में प्रकरण रिजेक्ट करने का ऑप्शन नहीं रहेगा। सभी प्राप्त प्रकरण दर्ज होंगे। तहसीलदार सुनवाई के बाद प्रकरण रिजेक्ट कर सकेंगे। प्रमुख सचिव ने संपदा पोर्टल, डिजिटल सर्वे के लिए सर्वेयरों की नियुक्ति तथा रोजगार सहायकों से ई केवाईसी कराने के संबंध में भी निर्देश दिए।

पोर्टल पर उपलब्ध और भौतिक स्टाक उर्वरक की जांच करायें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने जिले के उर्वरक के विक्रय केन्द्रों में आईएफएमएस पोर्टल पर उपलब्ध स्टाक और केन्द्रों पर उपलब्ध स्टाक का भौतिक सत्यापन संयुक्त दल से कराने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को दिए हैं।

कलेक्टर ने जारी आदेश में कहा है कि आईएफएमएस पोर्टल के अनुसार जिले में उपलब्ध डीएपी, एनपीके एवं यूरिया की मात्रा का विक्रय रिटेल स्तर पर किया जा चुका है। लेकिन पीओएस मशीन में विक्रेताओं द्वारा विक्रय मात्रा की फीडिंग नहीं करने से अभी भी भौतिक रूप से स्टॉक प्रदर्शित हो रहा है।

समीक्षा में पाया गया कि पोर्टल में 1 अप्रैल से 18 जुलाई तक 99 उर्वरक विक्रेताओं द्वारा उर्वरक का विक्रय होना प्रदर्शित नहीं हो रहा। जिन विक्रय केन्द्रों में उर्वरक की मात्रा में अंतर है और जिन विक्रय केन्द्रों ने उर्वरक का विक्रय नहीं किया। उनका संयुक्त दलों के माध्यम से भौतिक सत्यापन कराये। सुनिश्चित करें कि स्टाक में भौतिक रूप से उपलब्ध मात्रा आईएफएमएस पोर्टल से मिलान करें। अन्यथा की स्थिति में अनियमितता मानकर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाए। पोर्टल पर उर्वरक की मात्रा का अधिक स्टाक प्रदर्शित होने पर जिले को उर्वरक प्राप्त करने में कठिनाई भी होती है।

कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को कहा है कि उर्वरक निरीक्षक और तहसीलदार की संयुक्त टीम बनाकर सभी विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण कराये और चालू खरीफ मौसम में विक्रय नहीं करने वाली संस्था विक्रेताओं से कारणों की जानकारी लेकर यथोचित कार्यवाही करें।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

सतना निप्र। मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में मंगलवार को टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को जिले भर में किए जा रहे अवैध उत्खनन पर रोक लगाते हुए जिम्मेदार लोगो के खिलाफ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अवैध उत्खनन और अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए संबंधित विभाग को आपसी सामंजस्य कर संयुक्त रूप से कार्यवाही करे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, परिवाहन विभाग संजय श्रीवास्तव, खनिज विभाग आरएस चौरसिया, वनविभाग यशपाल मेहरा, पर्यावरण विभाग जीके बैगा उपस्थित रहे।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक 9 को

सतना निप्र। मैहर जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक 9 अगस्त को अपरान्ह 3 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियां एवं उनके बचाव के उपाय

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया है कि वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग के कारण होने वाली बीमारियां ही प्रमुख रूप से देखी जाती हैं। दूषित जल के सेवन से उल्टी-दस्त, टाइफाईट पीलिया, हेपेटाईटिस, हैजा आदि जैसी बीमारियां भी फैलती हैं। बीमारियों से बचने के लिए भोजन के पूर्व एवं शौच के पश्चात् साबुन से अवश्य हाथ धोयें।

पानी को छानकर कम से कम तीन से पांच मिनट तक उबालकर ठंडा करें और फिर इसे पीने के उपयोग में लें। बड़े पेयजल स्त्रोतों जैसे कुंआ/हैण्डपंप आदि को ब्लीचिंग पाउडर/हाइपोक्लोराइड घोल से जल शुद्धिकरण अपने आशा कार्यकर्ता/लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से कराए। यदि व्यक्तिगत कुंआ है तो जल शुद्धिकरण हेतु आशा कार्यकर्ता से संपर्क करें, दवाई पड़ने के 24 घण्टे के बाद ही पानी पीने के लिए उपयोग में लाएं।

ऐसे जल स्त्रोतों को बरसात में प्रत्येक 15 दिवस में जल शुद्धिकरण कराना चाहिए। यदि पीने के पानी में क्लोरीन की गोलियों से जल शुद्धिकरण किया जा रहा है तो इस स्थिति में क्लोरीन गोली डालने के एक घण्टे बाद पानी पीने योग्य हो जायेगा।

बासी भोजन एवं खुले में रखे खाद्य पदार्थों का सेवन हानिकारक हो सकता है, इस प्रकार के भोजन से परहेज करना चाहिए। पीने के पानी के बर्तनों की नियमित सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, पका हुआ एवं गर्म भोजन करना, शिशु एवं छोटे बच्चों के मल का उचित निपटान करने से उल्टी-दस्त की बीमारियों को रोका जा सकता है। पतले दस्त एवं उल्टी के लक्षणों को नजर अंदाज बिल्कुल ना करें। उल्टी-दस्त होने पर शरीर में पानी की एवं शक्कर की कमी हो जाती है जिससे शरीर का निर्जलीकरण हो जाता है और मृत्यु की संभावना बढ़ जाती है।

दस्त लगने पर शरीर में पानी की कमी न होने दें इसके लिए घर पर ही 1 लीटर पानी में 1 चुटकी नमक (5 ग्राम) एवं 4 चम्मच शक्कर (20 ग्राम) एवं 4 चम्मच शक्कर (20 ग्राम) मिलाकर घोल बनाएं एवं रोगी को 'बार-बार यह घोल पिलाएं। ओ. आर. एस. पाउडर उपलब्ध है तो एक पैकेट ओ. आर. एस. पाउडर को 1 लीटर पानी में घोलें और पिलाएं इससे मरीज की हालत गंभीर नहीं होगी। उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर 108 एम्बुलेंस को बुलाकर नजदीकी अस्पताल पहुंचें।

स्लीमनाबाद टनल का निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें: उप-मुख्यमंत्री

स्लीमनाबाद टनल कार्य की प्रगति की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्लीमनाबाद टनल निर्माण कार्य प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने और आवश्यक सावधानियों का ध्यान रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आवासीय क्षेत्र के नीचे टनल निर्माण करते हुए विशेष सावधानी बरती जाये। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा स्लीमनाबाद टनल निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई थी।

बरगी व्यपवर्तन परियोजना से जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना एवं रीवा सहित आस-पास के जिलों के कृषकों को सिंचाई और ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। औद्योगिक इकाइयों को भी नहर प्रणाली के माध्यम से जल आपूर्ति होगी। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, प्रमुख सचिव वित्त मनीष सिंह, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री दो दिवसीय प्रवास पर मैहर और चित्रकूट आयेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री टेटवाल गौतम 7 अगस्त 2024 को प्रातः 5.40 बजे मैहर पहुंचेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार राज्यमंत्री टेटवाल प्रातः 7 बजे मां शारदा माता के दर्शन करने के उपरांत प्रातः 8 बजे सतना के लिए प्रस्थान करेंगे। राज्यमंत्री टेटवाल प्रातः 9 बजे सतना सर्किट हाउस पहुंचकर स्थानीय जनों से भेट-मुलाकात करेंगे। राज्यमंत्री टेटवाल प्रातः 10 बजे आईटीआई सतना का भ्रमण करने के पश्चात प्रातः 11.30 बजे चित्रकूट प्रस्थान करेंगे और दोपहर 1.30 बजे दीनदयाल अनुसंधान संस्थान चित्रकूट में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। राज्यमंत्री टेटवाल 8 अगस्त को प्रातः 7 बजे कामतानाथ स्वामी की परिक्रमा करने के उपरांत दोपहर 1 बजे चित्रकूट में स्थानीय जनों से मुलाकात करेंगे और शाम 6.50 बजे चित्रकूट से उप्र संपर्क क्रांति ट्रेन द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

पोखरवार के सरकारी स्कूल की छत जर्जर

हर वक्त बच्चों के सिर पर मंडरा रहा खतरा

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले की धार्मिक नगरी चित्रकूट के नगर पंचायत क्षेत्र में एक विद्यालय ऐसा भी है जो संचालित तो आठवीं कक्षा तक है लेकिन भवन के नाम पर वहां सिर्फ 2 जर्जर कमरे हैं। बनने के बाद महज 20 वर्षों में ही ये भवन इस कदर जर्जर हो गया कि छत कब-किस पर मौत बन कर टूट पड़े, कोई भरोसा नहीं। ये हालत चित्रकूट के धार्मिक स्थल हनुमानधारा के समीप ग्राम पोखरवार की शासकीय माध्यमिक शाला की है। इस स्कूल की स्थापना तो वर्ष 1977 में हुई थी लेकिन तब इसका संचालन खुले आसमान तले ही होता था। पेड़ के नीचे पठन-पाठन की गतिविधियां लगभग ढाई दशक तक चलती रहीं और भवन की मांग उठती रही। फिर 24 साल के लंबे इंतजार के बाद 2001 में यहां भवन के नाम पर दो कमरे बना दिए गए।

उस वक्त ये प्राथमिक शाला ही थी लिहाजा 5वीं तक के विद्यार्थी ही यहां पढ़ने आते थे लेकिन कुछ और वक्त गुजरा तो इसका उन्नयन माध्यमिक शाला के रूप में कर दिया गया। यहां 8वीं तक के विद्यार्थी पढ़ने लगे लेकिन न तो अलग से नया भवन बना और न ही अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया गया। जिन दो कमरों में 5वीं तक की क्लास चलती थी। उन्हीं दो कमरों में 8वीं तक की कक्षाओं का संचालन तब से अब तक किया जा रहा है। लेकिन 24 साल बाद बना भवन महज 20 वर्ष में ही बूढ़ा हो गया। बाहर-अंदर दोनों ही तरफ से भवन खंडहर नजर आने लगा। कमरों की छत का सरिया बाहर झांकने लगा, गिट्टी-बालू और सीमेंट ने एक दूसरे का साथ छोड़ दिया। लेकिन तब भी कक्षाएं इसी छत के नीचे संचालित होती रहीं। करीब 3 वर्ष पहले चित्रकूट नगर पंचायत के तत्कालीन सीएमओ रमाकांत शुक्ला ने इस भवन की हालत देखी तो जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत कराया। लेकिन बाद में रमाकांत का भी तबादला हो गया और बात आई गई हो गई। बूढ़े भवन की जर्जर छत के नीचे कक्षाएं चलती रहीं। तीन साल तक स्कूल यूं ही चलता रहा।

अब लगभग 3 वर्ष बाद जून 2024 में वर्तमान सीएमओ विशाल सिंह ने भी स्कूल की सुध लेते हुए डीईओ को पत्र लिखा और जर्जर भवन में सभी तरह की गतिविधियां बंद कराने का आग्रह किया है। विद्यालय में 8वीं कक्षा तक में कुल 62 विद्यार्थी हैं, जबकि शिक्षकों की संख्या 2 हैं। रविन्द्र सिंह हेड मास्टर का भी दायित्व निभा रहे हैं। जबकि उनके साथ देशराज प्रजापति भी अध्यापन का जिम्मा संभाल रहे हैं। हेड मास्टर रविन्द्र सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जर्जर छत वाले कमरों में पढ़ाई पर रोक लगा दी गई है। तब से बच्चों को बाहर ही बैठा कर पढ़ाया जा रहा है। अपने स्तर पर लकड़ी और पन्नी से छाया बनाई गई है।

रास्ता भी दुर्गम, न पानी न शौचालय: चित्रकूट नगर परिषद क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय तक पहुंचने की डगर भी बहुत कठिन है। यहां या तो ऊंची और बड़ी सीढ़ियां चढ़ कर पैदल पहुंचा जा सकता है या फिर यूपी बॉर्डर से होते हुए लंबा रास्ता तय कर जाया जा सकता है। यह रास्ता भी लगभग डेढ़ किमी तक पहाड़ी के बड़े बोल्डरों से भरा पड़ा है जिनके कारण दो पहिया वाहन से आवागमन भी कम खतरनाक नहीं है।

कलेक्टर मैहर ने राजस्व अभियान 2.0 के तहत ली समीक्षा बैठक

बैठक में अधिकारियों को दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर रानी बाटड ने मंगलवार को राजस्व महाअभियान 2.0 के अंतर्गत राजस्व विभाग की वर्चुअली समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को टॉप 20 का लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि भू-अर्जन, बटवारा, नामांतरण जैसे लंबित प्रकरणों को इस सप्ताह निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम मैहर विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 51 प्रकरणों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे एवं एसडीएम नीरज खरे ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 51 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मैहर जिले में 45 आवेदनों पर हुई सुनवाई: मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 45 आवेदकों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दियें इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम मैहर विकास सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान तिलहुटा पोस्ट हिनौता के ग्राम वासियों ने बताया कि रोशन लाल कुशवाह पिता जन्ननाथ के द्वारा शासकीय जमीन पर कब्जा कर कियोस्क सेंटर के नाम पर पक्का मकान बनाया गया है। साथ ही खाते से पैसे निकालने के नाम पर 10 से 20 रुपए प्रति सैंकड़ा अवैध वसूली की जाती है। इसी तरह धर्मदत्त पाण्डेय निवासी ग्राम तिलौरा मैहर ने बताया कि खेती-किसानी कर परिवार का पेट पालता हूं। इस वर्ष की उपज को बिक्री खरीदी केंद्र वितरण सेवा सहकारी समिति मैहर में 17 अप्रैल 2024 को 16 क्विंटल का भुगतान 38400 रूपये सात दिवस के अंदर किया जाना था। लेकिन आज तक भुगतान नही किया गया है। इसी प्रकार सोमनाथ चौधरी ग्राम भदनपुर ने बताया कि बीपीएल कार्ड धारक होने के बावजूद शासकीय उचित मूल्य की दुकान से खाद्य सामग्री नही दी जा रही है। प्राप्त आवेदनों के आधार पर कलेक्टर बाटड ने संबंधित विभागीय अधिकारी को प्राप्त शिकायतो के आधार पर कार्यवाही करते हुए तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।